1 कली और फूल

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. कविता में फूल और कली के बीच बातचीत हो रही है।
ii. कली को अपनी अक्षय सुंदरता तथा अनछुए मकरंद पर गर्व है।
iii. जिंदगी की सार्थकता बीज बन जाने में है।
iv. कली विकसित होकर फूल का रूप धारण करती है।
v. कविता के रचयिता उदय प्रताप सिंह हैं।

(ख) सही विकल्प चुने–

उत्तर– 1. iv उपकार करने के लिए 2. ii सुगंध बिखेरना
3. ii. कली फूल की तरह खिल गई

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. कली को फूल से यह शिकायत है कि फूल अपनी सुगंध और मकरंद क्यों बिखराता है।
ii. फूल और कली के स्वभाव में यह अंतर है कि फूल सबको देने में विशवास करता है और कली का विश्वास संचित करने में है। हमें फूल का स्वभाव अच्छा लगा क्योंकि जीवन की सार्थकता देने में है।
iii. फूल की बातें सुनकर कली के स्वभाव में बदलाव आया और वह भी फूल बनने लगी।
iv. व्यक्ति को अपनी जिंदगी परोपकार में बितानी चाहिए।
v. फूल कली को यह समझाना चाहता है किसी को कुछ देने से कुछ घटता नहीं है बल्कि परोपकार तो वह पूँजी है जो देने से निरंतर बढ़ती है।
vi. फूल की बात को समझकर कली में यह परिवर्तन आया कि वह भी परोपकार के महत्व को समझने लगी और फूल में परिवर्तित हो गई।

(घ) किसने, किससे कहा?

उत्तर– i. कली ने फूल से ii. कली ने फूल से
iii. फूल ने कली से iv. फूल ने कली से

कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) इन संयुक्त व्यंजनों से उदाहरण के अनुसार दो-दो शब्द लिखो–

उत्तर– क + य = क्य — क्यारी **क्या, क्यो**
क + ल = क्ल — शक्ल **अक्ल क्लांत**

स् + व = स्व — स्वतंत्र **स्वजन स्वाभाविक**
व् + य = व्य — व्यवहार **व्यय व्यतीत**

(ख) दिए गए शब्दों के विलोम चुनकर लिखो–

उत्तर– i. उपकार = **अपकार** v. वाचाल = **मूक**
ii. फायदा = **नुकसान** vi. अक्षय = **क्षय**
iii. मुरझाना = **खिलना** vii. अनछुआ = **छुआ**
iv. सँजोना = **बिखेरना** viii. सार्थक = **निरर्थक**

(ग) कविता में बहुत-से शब्द उपसर्ग सहित प्रयुक्त किए गए हैं। इन शब्दों में उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग करके लिखो।

उत्तर– i. उपकार = उप + कार iv. निस्स्वार्थ = **निः + स्वार्थ**
ii. अक्षय = **अ + क्षय** v. उपवन = **उप + वन**
iii. अनछुआ = **अन् + छुआ** vi. खुशबू = **खुश + बू**

(घ) 'संचित' और 'वंचित' शब्दों में 'इत' प्रत्यय है। इस प्रकार 'इत' प्रत्यय लगाकर चार शब्द लिखो–

उत्तर– i. फलित ii. हर्षित
iii. चिंतित iv. आनंदित।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

2 गुलाब जरूर खिलेंगे

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. यह व्यंग्य अमीर व्यक्तियों पर कटाक्ष करता है।
ii. जो लोग गमला नहीं खरीद पाते वे पीपे से अपना काम चलाते हैं।
ii. लेखक को गुलाब कांपलेक्स था।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iii 40 साल 2. ii तीन
3. ii. 25-30 बार

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. लेखक को आत्मज्ञान हुआ कि जिस घर में गुलाब की कलम नहीं होती वह हमेशा लोगों की नजरों में, गरीबी की सीमा रेखा के नीचे वाला ही माना जाता है।

ii. लेखक का अपनी कॉलोनी के लोगों के विषय में कहना था कि हमारी कॉलोनी में पीपे वाले लोग भी हैं, जो ठस्का गमले का ही दिखाते हैं। यह बात जरूर है कि वे अपना कटा हुआ पीपा घर के सामने नहीं रखते। वे यह बात अच्छी तरह समझते हैं कि अभी इतने बेशरम नहीं हुए हैं कि लोगों को बताते फिरें कि वे पीपा-छाप गुलाब वाले हैं। अंदर से पहले ही पीपा कटा हुआ हो; लेकिन बाहर तो लोगों के बीच अपनी इज्जत बनाकर रखनी ही पड़ती है।

iii. प्रेस-क्लब में बैठे-बैठे जब लेखक ने कोई पच्चीस-तीस बार गुलाब का जिक्र किया तो गोस्वामी साहब बोले, ''हुजूर.....हम आपका दर्द समझते हैं। कल चलिए हमारे साथ, नर्सरी से आपको गुलाब की शानदार कलम दिलवाए देते हैं।

iv. सरकारी नर्सरी होने के कारण गोस्वामी साहब की बात सुनकर लेखक को संदेह बना रहा था।

v. ''लेखक के आँगन में लगी गुलाब की सूखी कलमों को देखकर गोस्वामी साहब ने कहा था कि मैं इसे कृषि लेबौरटरी में परीक्षण के लिए भेजूँगा। रिपोर्ट आते ही पता चल जाएगा कि दोष सरकारी नर्सरी का है या आपकी इस मिट्टी का।''

भाषा-ज्ञान

(क) इस पाठ में तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशज शब्द आए हैं; जैसे-अध्ययन (तत्सम), लॉन (अंग्रेजी विदेशज), हैसियत (अरबी, विदेशी) आदि। ऐसे ही अन्य शब्द छाँटकर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखो-

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द	देशज शब्द	विदेशी शब्द
कृषि	आँगन	बेशरम	मिसेज
प्रतिष्ठा	मिट्टी		कॉलोनी
आत्म	अंदर	हुजुर	कांपलेक्स
ज्ञान	घर	टोने-टोटके	प्रेस-क्लब
अध्ययन	खुशबू	तमीज	स्टडी
	तिनका	इत्मीनान	स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग
		लफड़ा	ज्वायंट-डायरेक्टर
			लिटरेचर

(ख) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो-

शब्द		वाक्य
गुलाब	—	उपवन में लाल **गुलाब** खिला था।
इज्जत	—	हमें छोटे-बड़े सभी की **इज्जत** करनी चाहिए।
खुशबू	—	फूलों की **खुशबू** सभी को आकर्षित करती है।
हैसियत	—	हमें अपनी **हैसियत** के अनुसार काम करना चाहिए।
सब्र	—	**सब्र** का फल मीठा होता है।

योग्यता-विस्तार

उत्तर- छात्र स्वयं करें।

3 सभ्यता का रहस्य

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो-

उत्तर- i. पाठ के लेखक का नाम मुंशी प्रेमचंद है।

ii. दमड़ी ने चोरी इसलिए की क्योंकि उसके बैल भूखे थे। भूखे बैलों का पेट भरने

के लिए दमड़ी ने चारे की चोरी की।

iii. दमड़ी को सजा मिलने पर मुंशी को ऐसा लगा कि सभ्यता केवल हुनर के साथ ऐब करने का नाम है। आप बुरे से बुरा काम करें लेकिन अगर आप उस पर परदा डाल सकते हैं तो आप सभ्य हैं, सज्जन हैं, जेंटिलमैन हैं। अगर आप ऐसा नहीं कर पाएँ तो आप असभ्य हैं, गँवार हैं।

(ख) सही विकल्प चुने–

उत्तर– 1. iii. कई पीढ़ियों से 2. ii. पैसे बचाना

3. iii. नुकसान होना

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. कोट-पतलून पहनने वाले लोग देखने में सभ्य लगते हैं लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि वे वास्तव में सभ्य ही हैं।

ii. रायसाहब अपने नौकर के साथ कठोर व्यवहार करते थे।

iii. दमड़ी बैल नहीं बेचना चाहता था क्योंकि उसको लगता था कि बैल बेच देने से वह बिरादरी में कहीं मुँह दिखाने लायक नहीं रहेगा तथा उसकी लड़की की सगाई भी नहीं हो पाएगी।

iv. रायसाहब ने दमड़ी को समझाया कि बैलों को बेचकर कपड़े बनवा ले। सैंकड़ों बार समझा चुका हूँ लेकिन न जाने क्यों इतनी मोटी सी बात तेरी समझ में नहीं आती।

v. रईस को खून के जुर्म से बचाने का रायसाहब का प्रयास यह प्रकट करता है कि रायसाहब एक निहायती लालची तथा खुदगर्ज इंसान हैं।

vi. रायसाहब ने दमड़ी को कठोर दंड दिया।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों को कहानी के घटनाक्रम के अनुसार फिर से लिखो–

उत्तर– i. सरकार, बिरादरी में कहीं मुँह दिखाने लायक न रहूँगा।

ii. रायसाहब के इजलास में एक बड़े मार्के का मुकदमा पेश था।

iii. रईस ने किसी का खून कर दिया था।

iv. किसी की मजाल है कि रायसाहब की नेकनीयती पर संदेह कर सके।

v. रायसाहब ने दमड़ी को छह महीने की सख्त कैद का हुक्म सुना दिया।

vi. रायसाहब ने रिश्वत लेकर रईस को बचा लिया।

vii. दमड़ी को मुटठीभर चारा काटने की सजा मिली।

कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखो–

उत्तर– i. सभ्य **असभ्य** iv. समाधान **व्यवधान**

ii. निर्दय **सदय** v. पाप **पुण्य**

iii. दंड **पुरस्कार** vi. कठोरता **कोमलता**

'ने' परसर्ग का सही प्रयोग करके वाक्य शुद्ध करो–

उत्तर– i. रायसाहब ने दमड़ी को फँसे हुए देखा।

ii. दमड़ी ने चौंककर पीछे देखा तो सिपाही खड़ा था।

iii. रईस ने उस खून के मुकदमे में जमानत ले ली।

iv. लेकिन बैलों की याद ने उसे उत्तेजित कर दिया।

v. यह तो मैंने पहले ही किया था।

(ख) दिए गए वाक्यों में क्रिया का भेद बताओ–

उत्तर– i. सकर्मक ii. सकर्मक iii. सकर्मक

iv. अकर्मक v. सकर्मक।

(ग) रिक्त स्थानों में प्रेरणार्थक क्रियाएँ लिखो–

उत्तर– i. थानेदार ने सिपाही से रसीद **कटवाई**।

ii. मेरे मित्र ने मुझे मेरे बॉस से छुट्टी **दिलवाई**।

iii. विवाह में राघव जी ने ढोल **बजवाया**।

iv. भोज में पिता जी ने गरीबों को वस्त्र **बँटवाए**।

(घ) रिक्त स्थानों में मुहावरे लिखकर वाक्य पूरे करो–

उत्तर– i. मेरी पड़ोसी चोरी करके अदालत से **बेदाग छूट गई**।

ii. सास ने दहेज न लाने पर बहू को खूब **खरी-खोटी सुनाई**।

iii. पत्नी के नौकरी करने पर लोग पति पर **आवाजें कसने लगे**।

iv. इस बार मैंने **ठान लिया** है कि मुझे कक्षा में प्रथम आना ही है।

v. गलत काम करने वाले को लोग दूर से **सलाम करते हैं**।

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाओ–

उत्तर– i. तो भाई सोच लो! अगर कुछ गड़बड़ हो तो मैं जाकर रुपए लौटा दूँ।

ii. रायसाहब और मैं जाकर जहर खा लेता हूँ।

iii. ले लो, ले लो! तुम न लोगे, तो मैं ले लूँगी।

iv. फिर वही हिमाकत! अरे, अब तो जो कुछ होना था, हो चुका।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

4 प्रकृति का सान्निध्य

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. मानव प्रकृति की संतान है।

ii. पाठ के अनुसार लेखक ने सिंहगढ़, हिमालय, देहरादून तथा मसूरी आदि स्थानों का भ्रमण किया।

iii. बादल हमें यह संदेश देते हैं कि परिवर्तन से नहीं अकुलाना चाहिए। परिवर्तन का आनंद लेना और बाद में उनसे परे होना ही हमारी जीवन साधना है।

iv. वनों को काँटना उचित नहीं है क्योंकि वन हमारे लिए बहुत लाभदायक होते हैं।

v. अगर वन ना हो, तो इसका हमारे जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा क्योंकि वनों के द्वारा ही हमें प्रकृति का सानिध्य प्राप्त होता है और वनों के द्वारा ही हमें बहुत सारी वस्तुएँ निशुल्क मिलती हैं।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. कुछ व्यवहारकुशल लोग

2. i. क्रूर प्रवृत्ति

3. ii. कृत्रिम दुनिया में शहरी जीवन जीने से

4. i. देहरादून के पास

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. कई व्यवहार-कुशल लोग लेखक की आलोचना करते हैं और वे उनके बारे में कहते हैं—''काका साहब जैसे गंभीर पुरुष, विचारक और नेता, अफ्रीका के जंगलों में वहाँ के जानवर देखने के लिए घूमे होंगे। जान जोखिम में डालते हैं, यह तो है ही, लेकिन जिंदगी के दिन इस तरह बरबाद करते हैं। इतना ही नहीं, इस धुन का व्यवस्थित उत्साहपूर्ण वर्णन करते हुए भी किताब भी लिखते हैं, यह सब कुछ समझ में नहीं आता।''

ii. प्रकृति और मनुष्य एक-दूसरे के पूरक हैं क्योंकि मनुष्य को प्रकृति से बहुत सारी वस्तुएँ निशुल्क प्राप्त होती हैं तथा मनुष्य के द्वारा भी प्रकृति की देखभाल तथा संरक्षण किया जाता है।

iii. हिमालय पर रहने वाले मनुष्य और पशुओं को देखकर लेखक इसलिए दु:खी होता है कि वहाँ पर रहने वाले मनुष्य और पशु कठोर परिश्रम करते हैं तथा उनका सारा जीवन इसी में गुजर जाता है।

iv. इन चिर हिमशिखरों में और इन विहार करने वाले बादलों में मनुष्य को महान सूचना देने की शक्ति है इसीलिए मैं इनके दर्शन करने के लिए तड़पता हूँ। ये बादल देखते-ही-देखते अपना आकार, स्वरूप और गठन भी बदलते रहते हैं। बादल आगे-पीछे, ऊपर-नीचे, दसों दिशाओं में दौड़ते हैं, फूलते हैं और पिघल जाते हैं। क्षण में श्वेत, क्षण में श्याम और क्षण में वर्ण-विहीन। ये बादल कहते हैं, ''परिवर्तन से न अकुलाना हमारा व्रत है। परिवर्तन का आनंद लेना और बाद में उनसे परे होना ही हमारी जीवन साधना है।''

v. इस पाठ से हमें यह शिक्षा लेनी चाहिए कि प्रकृति सभी प्राणियों के लिए महत्वपूर्ण है। हमें इसकी सुरक्षा करनी चाहिए।

कुछ अलग नया–

उत्तर– परिवर्तन जीवन का एक नियम है। हर सुख के बाद दुख तथा दुख के बाद सुख आता है उसी प्रकार हर दिन के बाद रात तथा रात के बाद दिन आता है, अत: हमें प्रकृति के इस परिवर्तन रूपी नियम को सहर्ष स्वीकार करना चाहिए।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित के लिए पाठ से खोजकर एक-एक शब्द लिखो–

उत्तर– i. हैवान ii. कृत्रिम iii. स्नेही
iv. व्यवहार कुशल v. नख-शिखांत vi. कृतार्थता।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों से संबंधबोधक छाँटकर लिखो–

उत्तर– i. ओर ii. पास iii. बिना
iv. दूर v. बीच।

(ग) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. विशेष = **साधारण** iv. कृत्रिम = **प्राकृतिक**
ii. विशाल = **लघु** v. तिरस्कार = **सम्मान**
iii. स्वजन = **परायाजन** vi. मानव = **दानव**

(घ) इसी प्रकार 'पूर्वक' प्रत्यय लगाकर अन्य शब्द बनाओ और उनका वाक्यों में प्रयोग करो।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन करके पुनः लिखो–

उत्तर– i. उससे पत्र नहीं लिखा जाता है।
ii. आज हमें पिताजी के द्वारा सरकस दिखाया गया।
iii. प्रिया से चला नहीं जाता।
iv. बच्चों के द्वारा फुटबॉल खेली जा रही है।
v. शिक्षक बच्चों को पढ़ा रहे हैं।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

5 मनभावन सावन

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. सावन के मेघ झम-झम-झम-झम बरसते हैं।
ii. पीउ-पीउ चातक पक्षी तथा म्याव-म्याव मोर करता है।
iii. सावन में बेला की कलियाँ हर पल बढ़ती हैं।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. घुमड़-घुमड़ कर 2. ii. तड़-तड़
3. ii. बेला और हरसिंगार

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. ताड़ के वृक्षों की हथेलियाँ चौड़ी-चौड़ी अर्थात् बड़ी-बड़ी हैं।
ii. नीम के पेड़ की डाली झूम-झूमकर सिर हिला रही है।

iii. आकाश में बादल घिर कर घुमड़-घुमड़ कर गरज रहे हैं।
iv. कविता में कवि सबको इंद्रधनुष के झूले में झूलने का संदेश दे रहा है।
v. वर्षा होने पर मेढक टर-टर की ध्वनि करते हैं।

(घ) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करो–

उत्तर– i. झम-झम-**झम-झम मेघ बरसते हैं सावन के,**
छम-छम-छम गिरती बूँदें तरुओं से छन के,
चम-चम बिजली चमक रही रे उर में घन के,
थम-**थम दिन के तम में सपने जगते मन के।।**

ii. रिमझिम-**रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,**
रोम **सिहर उठते, छूते वे भीतर अंतर,**
धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
रज **के कण-कण में तृण-तृण की पुलकावलि भर।।**

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित वाक्यों को पहचानकर उनके नाम लिखो–

उत्तर– i. विधानवाचक वाक्य
ii. प्रश्नवाचक वाक्य
iii. निषेधवाचक वाक्य
iv. विधानवाचक वाक्य
v. निषेधवाचक वाक्य
vi. प्रश्नवाचक वाक्य
vii. विधानवाचक वाक्य।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम तथा तद्भव शब्द छाँटकर लिखो–

तत्सम	**तद्भव**	**तत्सम**	**तद्भव**
बिंदु	सावन	मुख	सपना
तृण	सिर	श्रावण	बूँद
स्वप्न, पंख	मुँह	शीश, पक्ष	तिनका

(ग) निम्नलिखित शब्दों में अंतर स्पष्ट करते हुए वाक्य बनाओ–

उत्तर– i. वश = आज समय पर मेरा **वश** नहीं है।
वंश = रामचन्द्रजी सूर्य**वंशी** राजा थे।

ii. गदा = भीम **गदा** चलाने में प्रवीण थे।
गंदा = वैशाली ने **गंदा** स्वेटर पहना हुआ है।

iii. चिता = चिंता **चिता** से बढ़कर होती है।
चिंता = चिंतित होने पर मोहन ने राम से कहा—तुम **चिंता** मत करो, सब-कुछ मुझ पर छोड़ दो।

iv. सत = **सत** से भरा जीवन ही वास्तविक जीवन होता है।
संत = हमें **संत** जनों की संगति में रहना चाहिए।

v. दगा = दीपक ने मेरे साथ **दगा** किया।
दंगा = आज शहर में **दंगा** भड़कने की संभावना है।

vi. पथ = हमें हमेशा सच्चाई के **पथ** पर चलना चाहिए।

पंथ = मैं बाजार सब्जी खरीदने गई थी, साथ ही कपड़े भी ले आई। इसे कहते हैं एक **पंथ** दो काज।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

6 चाय और उसकी लोकप्रियता

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. चाय एक पेय पदार्थ है।

ii. सन् 1880 में चाय के कुछ पौधे कोलकाता में लगाए गए। इसके पश्चात् चाय की खेती हिमालय के कुमाऊँ क्षेत्र और असम के सादिया प्रदेश में होने लगी। इसके पश्चात् असम तथा दार्जिलिंग में इसकी खेती की जाने लगी। आज विश्वभर में खपत होने वाली चाय का अधिकांश भाग भारत, श्रीलंका, चीन और जावा में उत्पन्न होता है।

iii. चाय पीना कैंसर तथा दिल की बीमारी के लिए सही मानी गया है।

iv. अधिक चाय इसलिए नहीं पीनी चाहिए क्योंकि अधिक चाय पीने से भूख मरना, यकृत में सूजन, आँतों में जलन जैसी तकलीफें होने का अंदेशा रहता है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iii. चाय से 2. ii. कुवैत 3. ii. सफेद

4. ii. चीनी 5. i. हानि

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. भारतवर्ष में चाय की लोकप्रियता इस सीमा तक है कि इसे हमारा राष्ट्रीय पेय भी कहा जा सकता है। उठते-बैठते, सुबह-शाम चाय पीने की तलब साथ नहीं छोड़ती। लोग इसे स्फूर्तिदायक पेय तो मानते ही हैं, परंतु कुछ लोगों का यह भी मानना है कि गर्मागर्म चाय पीना सिरदर्द का अचूक इलाज है।

ii. प्रारंभ में अंग्रेजों ने हिंदुस्तानियों में चाय की ललक जगाई। तब रेलवे स्टेशनों, बस-अड्डों आदि सहित भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर नाटे लिखे गए—'रोज चाय पियो, ज्यादा दिन जिओ।' और तब से अब तक का चाय का सफर कदम-कदम पर ठहरकर चुस्कियाँ लेता हुआ अबाध गति से जारी है।

iii. आयरलैंड में प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति सबसे अधिक कप चाय पी जाती है— 1390 कप अर्थात् 3.16 किलोग्राम चाय की खपत। दूसरे नंबर पर है ब्रिटेन, जहाँ प्रतिवर्ष औसत 2.53 किलोग्राम प्रति निवासी चाय पीता है। इससे 1130 कप चाय बनती है। तीसरे नंबर पर कुवैत है। कुवैत में हर साल 2.52 किलोग्राम प्रति व्यक्ति चाय खपत है। इस प्रकार वहाँ वार्षिक 1109 कप चाय हर आदमी पीता है।

iv. चाय के जन्म और उत्पत्ति की कहानी भी कम रोचक नहीं है। ऐसा कहा जाता है कि बोधिधर्म नामक एक दाक्षिणात्य बौद्ध भिक्षु धर्म प्रचार के लिए भारत से चीन गया था। एक दिन ध्यान करते समय धर्म को आलस्य ने आ घेरा। आलस्यवश उसके नेत्र निमीलित होने लगे। यह देख उसे क्रोध आ गया और उसने अपनी पलकें नोंचकर फेंक दी। जहाँ-जहाँ पलकें गिरी, वहाँ पौधे उग आए। उसने उनकी पत्तियों का सेवन किया, जिससे वह पुनः निरलस हो ध्यानमग्न हो गया। ये पौधे ही चाय के पौधे कहलाए। इस कथन की सच्चाई के विषय में कोई तथ्य उपलब्ध नहीं है, परंतु यह स्वीकार किया जाता है कि चाय का जन्म-स्थान चीन है।

v. एक बार एक चीनी दूत इंग्लैंड की महारानी के दरबार में गया। वहाँ उसने एक पैकेट चाय भेंट की। कहते हैं, महारानी ने चाय की पत्तियों को उबलवाकर पानी तो फिंकवा दिया और उन्हें मिलाकर रोटी के साथ खाया। इससे समझा जा सकता है कि इंग्लैंडवासी चाय के विषय में कितनी जानकारी रखते थे।

चीन से चाय जापान पहुँची और वहाँ से यूरोप में कदम रखा। पहले जब चाय का यूरोप में प्रचार हुआ, तब यह बहुत महँगी बिका करती थी। धीरे-धीरे चाय के गुणों का प्रचार हुआ और लोगों में सम्मान पाते देख ईस्ट इंडिया कंपनी इसका व्यापार करने लगी। वह चाय को चीन और जावा से आयात कर इंग्लैंड में बेचने लगी। इस कंपनी ने चाय के व्यापार में बहुत धन बटोरा। सन् 1834 ई० में ईस्ट इंडिया कंपनी की चीन से खटपट हो गई, तब चीन ने ईस्ट इंडिया कंपनी को चाय का निर्यात बंद कर दिया। ऐसी स्थिति में ईस्ट इंडिया कंपनी का ध्यान चाय की खेती की ओर गया।

vi. धरती में चाय का बीज ही बोया जाता है। चाय के बीजों के लिए सख्त मिटटी और नम वायु की आवश्यकता होती है। चाय के पौधों पर लगे फूल सफेद रंग के होते हैं, जो देखने में सुंदर लगते हैं। वैसे तो चाय के पौधे काफी ऊँचाई तक बढ़ जाते हैं, परंतु बार-बार छँटाई करने से तीन-चार फीट से अधिक बड़े नहीं हो पाते। जब पौधे तीन वर्ष के हो जाते हैं, तब इनसे पत्तियाँ चुनी जाती हैं।

चाय की पत्तियों का चुनना सरल काम नहीं है। इस कार्य में बड़ी सावधानी की आवश्यकता पड़ती है। इस कार्य में इस बात का ध्यान रखा जाता है कि पत्तियों और पौधों को किसी प्रकार की क्षति न पहुँचे। इसके लिए चाय तोड़ने वाले श्रमिकों को प्रशिक्षित किया जाता है। पत्तियाँ चुन-चुनकर वे अपनी टोकरियों में डालते जाते हैं। जब टोकरियाँ भर जाती हैं, तब उन्हें कारखाने में भेज दिया जाता है।

कारखाने में पहुँचने पर पत्तियों को पहले सुखाया जाता है। फिर रोलर की सहायता से उनका चूर्ण किया जाता है। तत्पश्चात कई वैज्ञानिक यंत्रों और क्रियाओं की मदद से चाय अपनी वर्तमान आकृति तक पहुँचती है। चाय में सुगंध पैदा करने के लिए पत्तियों के चूर्ण में सुगंधित पदार्थ भी डाल दिए जाते हैं। इस प्रकार जब चाय बनकर तैयार हो जाती है, तो छोटे-छोटे डिब्बों और बड़ी-बड़ी

पेटियों में भरकर देश-विदेश में बिक्री हेतु भेजी जाती है।

vii. चाय का अधिक सेवन नुकसान भी पहुँचाता है। आमतौर पर लोग तीन से आठ कप चाय पी जाते हैं। परंतु डॉक्टरों की राय में, ज्यादा चाय पीने से भूख मरना, यकृत में सूजन, आँतों में जलन जैसी तकलीफें होने का अंदेशा रहता है। देखा गया है कि चाय के आदी व्यक्ति इसके गुलाम बन जाते हैं, क्योंकि निकोटीन की अधिक मात्रा दिमाग के लिए जहर है।

कुछ अलग नया–

उत्तर– i. हमें किसी भी वस्तु का उपयोग एक सीमा के अंदर ही करना चाहिए क्योंकि किसी भी वस्तु के असीमित प्रयोग से वह वस्तु हमारे लिए हानिकारक हो सकती है। इसलिए हमें अपने विवेक से काम लेते हुए वस्तुओं के प्रयोग की सीमा निर्धारित कर लेनी चाहिए।

ii. कहा जाता है कि जल मनुष्य के लिए जीवन है क्योंकि जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। लेकिन चाय पीने से तुरंत स्फूर्ति आती है तथा चाय पीने से सिरदर्द तथा सुस्ती दूर होती है। इसलिए इसको जीवन देने वाली एक अचूक बूटी माना जा सकता है।

भाषा-ज्ञान

(क) दिए गए शब्दों के मूल शब्द लिखिए–

उत्तर–

आवेशित	**आवेश**	कल्याणकारी	**कल्याण**
लोकप्रियता	**लोकप्रिय**	कुदरती	**कुदरत**
जापानी	**जापान**	गुलामी	**गुलाम**
दैनिक	**दिन**	रचनात्मक	**रचना**
नवीनतम	**नवीन**		

(ख) निम्नलिखित शब्द व्याकरण की दृष्टि से क्या हैं?

उत्तर–

राष्ट्रीय	**भाववाचक संज्ञा**	लोकप्रियता	**भाववाचक संज्ञा**
सुबह	**भाववाचक संज्ञा**	आलस	**मूल शब्द**
आलसी	**भाववाचक संज्ञा**	भारत	**व्यक्तिवाचक संज्ञा**
आवश्यकता	**भाववाचक संज्ञा**	आवश्यक	**विशेषण**
चाय	**द्रव्यवाचक संज्ञा**		

(ग) वर्तनी सुधारो–

उत्तर–

कृत्रीम	**कृत्रिम**	स्फूर्ती	**स्फूर्ति**
आंदौलित	**आंदोलित**	अनुकुल	**अनुकूल**
हानीकारक	**हानिकारक**	प्रशीक्षीत	**प्रशिक्षित**

(घ) निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. जगत — यह संपूर्ण **जगत** मिथ्या है।

ii. अनुकूल — आज समय हमारे **अनुकूल** है।

iii. प्रतिकूल — हमें अपने बड़ों के **प्रतिकूल** होकर कार्य नहीं करने चाहिए।

iv. निर्यात — हमारे देश से अनेक वस्तुओं का **निर्यात** किया जाता है।

v. आयात — पानी के जहाज के द्वारा अनेक चीजों का **आयात** किया जाता है।

(ङ) रेखांकित पदों के कारक बताओ–

उत्तर– i. संप्रदान कारक ii. संप्रदान, कर्ता कारक

iii. कर्ता, संप्रदान कारक iv. संबंध कारक, संप्रदान कारक

v. संप्रदान कारक, अधिकरण कारक।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

7 शून्य का आविष्कार

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. आज हम दस चिह्नों से सारी संख्याएँ लिखते हैं।

ii. हर अंक का मान स्थान के अनुसार निर्धारित होता है।

iii. नई अंक पद्धति के अंक पहली बार ईसा की पहली शताब्दी में देखने को मिले।

iv. पहली बार शून्य वाली संख्या आठवीं सदी के एक दानपात्र में मिलती है?

v. आचार्य पिंगल ने पिंगल छंद सूत्र नामक ग्रंथ की रचना की?

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. शून्य का आविष्कार 2. iv. दस

3. ii. यूनान 4. ii. बीस

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. ''शून्य वाली स्थानमान अंक-पद्धति एक दिन का दैवी चमत्कार नहीं है।'' क्योंकि सारे देश में इसका प्रचार होने में शताब्दियाँ लगीं। इस नई अंक-पद्धति की खोज होने पर भी लगभग एक हजार साल तक हमारे देश में पुरानी अंक-पद्धति का व्यवहार होता रहा। न केवल अपने देश में, बल्कि विदेशों में भी इस नई अंक-पद्धति को सरलता से स्वीकार नहीं किया गया।

ii. पुराने जमाने में लेख खुदवाए जाते थे। राजा या धनी लोग दान देते थे। दान की बातें ताँबे के पत्रों पर लिख दी जाती थी। इन ताम्रपत्रों पर शब्दों में और कभी-कभी अंकों में भी तिथि भी डाली जाती थी। ऐसे ही एक दानपत्र में हमें पहली बार इस नई पद्धति के अंक देखने को मिलते हैं।

iii. ईसा की पहली शताब्दी तक हमारे देश में शून्य वाली नई-अंक पद्धति का आविष्कार हो चुका था। साहित्यिक, दार्शनिक, और ज्योतिष-गणित के ग्रंथों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं। नई अंक-पद्धति का आविष्कार होते ही अभिलेखों में तुरंत उसका इस्तेमाल नहीं किया गया। आविष्कार होने के सदियों बाद अभिलेखों में नई अंक-पद्धति को अपनाया गया।

iv. 'पिंगल छंद सूत्र' नामक ग्रंथ की रचना ईसा से सौ दो सौ साल पहले आचार्य पिंगल ने की थी। इसमें पद्य छंदों में लिखे जाते हैं। छंदों के लिए मात्रा को जानना आवश्यक है क्योंकि इस ग्रंथ में मात्राओं के हिसाब सूत्रों में दिए गए हैं। ग्रंथ में 'द्विरदर्धे', 'रूपे शून्यम', 'द्विः शून्ये' आदि सूत्र आते हैं। यहाँ 'अभाव' या 'घटाने' के अर्थ में शून्य का इस्तेमाल हुआ है। पिंगल के समय में शून्य के लिए कोई सांकेतिक चिह्न रहा होगा। पर उसका रूप किस प्रकार का था, इसे हम नहीं जानते। उस समय इस शून्य का नई अंक-पद्धति के लिए इस्तेमाल होने लग गया था या नहीं। परंतु इतना निश्चित है कि शून्यवाली धारणा पक रही थी।

v. जैन ग्रंथ 'अनुयोगद्वार-सूत्र' में 'अंकस्थान' शब्द आया है, जो अंकों के स्थानमान अर्थवाला हो सकता है। वायु और अग्नि पुराणों में भी अंकस्थानों और दशगुणोत्तर संख्याओं के उदाहरण मिलते हैं। ये सारे ग्रंथ ईसा की पहली सदी के बाद के हैं।

vi. पेशावर जिले के भक्षाली गाँव में एक किसान को भोजपत्र पर लिखी पुस्तक के बारे में यह बताया गया है कि यह भक्षाली-हस्तलिपि के नाम से प्रसिद्ध है। यह दसवीं सदी की शारदा लिपि में लिखी हुई है। यह किसी पुरानी पुस्तक की प्रतिलिपि है। कुछ विद्वानों का मत है कि मूल पुस्तक तीसरी या चौथी सदी में लिखी गई होगी। इस हस्तलिपि में 1 से 10 तक अंक-संकेत हैं। नई अंक-पद्धति का इस्तेमाल हुआ है। शून्य के लिए बिंदी के आकार का चिह्न है।

vii. आर्यभट के समय (500 ई०) से गणित के सारे ग्रंथों में नई अंक-पद्धति का व्यवहार देखने को मिलता है। पर अंक नहीं है— इनमें अक्षरांक या शब्दांक हैं।

viii. इस पाठ को पढ़कर हम हम इस नतीजे पर पहुँचते हैं कि ईसा की पहली सदी तक हमारे देश में शून्य नई दाशमिक स्थानमान अंक-पद्धति का आविष्कार हो चुका था।

(घ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– i. शून्य वाली स्थानमान अंक-पद्धति एक दिन का **दैवी चमत्कार** नहीं है।

ii. पुराने जमाने में लेख **खुदवाए** जाते थे।

iii. राघोली दानपत्र राजा **जयवर्धन-द्वितीय** का है।

iv. पिंगल के समय में **शून्य** के लिए कोई सांकेतिक चिह्न रहा होगा।

v. भक्षाली हस्तलिपि में **1 से 10** तक अंक-संकेत हैं।

(ङ) भाव स्पष्ट करो–

उत्तर– i. शून्य वाली ..... गया।

आशय—उपर्युक्त पंक्तियों का आशय यह है कि शून्य वाली दस अंकों वाली अंक-पद्धति का आविष्कार तो बहुत पहले ही हो चुका था लेकिन इस अंक-पद्धति को जल्दी से स्वीकार नहीं किया गया और लगभग एक हजार साल तक देश में पुरानी अंक-पद्धति ही जारी रही।

ii. इतना ..... रही थी।

आशय—इस पंक्ति का आशय यह है कि पिंगल के समय में शून्य के स्थान पर

कोई ओर सांकेतिक चिह्न इस्तेमाल किया जाता होगा। यह कैसा था हम नहीं जानते लेकिन इतना अवश्य है कि उस समय शून्य के प्रयोग पर विचार किया जा रहा था।

भाषा-ज्ञान

(क) विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. स्वतंत्र = **परतंत्र** iii. निश्चित = **अनिश्चित**
ii. पुरानी = **नई** iv. स्वीकार = **अस्वीकार**

(ख) प्रत्यय अलग करके लिखो–

उत्तर– i. निर्धारित **इत प्रत्यय** iv. स्थानीय **ईय प्रत्यय**
ii. जानकारी **ई प्रत्यय** v. साहित्यिक **इक प्रत्यय**
iii. भारतीय **ईय प्रत्यय** vi. दार्शनिक **इक प्रत्यय**

(ग) बहुवचन रूप लिखो–

उत्तर– i. संख्या = **संख्याएँ** v. सूत्र = **सूत्रों**
ii. अंक = **अंकों** vi. अभिलेख = **अभिलेखों**
iii. ग्रंथ = **ग्रंथों** vii. चिह्न = **चिह्नों**
iv. गाँव = **गाँवों** viii. वस्तु = **वस्तुएँ**

(घ) वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखो–

उत्तर– i. गणितज्ञ ii. वैज्ञानिक iii. दार्शनिक
iv. साहित्यकार v. हस्तलिपि

(ङ) शब्दों को शुद्ध करो–

उत्तर– i. विमार = **बीमार** iii. किरपा = **कृपा**
ii. हिन्दु = **हिन्दू** iv. गह्न = **गृह**

(च) संधि-विच्छेद करो–

उत्तर– **अ + अ = आ**

i. अक्षरांक = **अक्षर + अंक** iv. शब्दाकं = **शब्द + अंक**
ii. शब्दांश = **शब्द + अंश** v. पृष्ठांक = **पृष्ठ + अंक**
iii. रेखांकन = **रेखा + अंकन** vi. गुणांक = **गुण + अंक**

अ + उ = ओ

i. गुणोत्तर = **गुण + उत्तर**
ii. पूर्वोत्तर = **पूर्व + उत्तर**
iii. वार्षिकोत्सव = **वार्षिक + उत्सव**
iv. सूर्योदय = **सूर्य + उदय**
v. गणेशोत्सव = **गणेश + उत्सव**
vi. लोकोक्ति = **लोक + उक्ति**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. गाड़ी फर्स्ट गियर में स्टार्ट होती है।

ii. लेखक के भाई ने गाड़ी सैकेंड गियर में स्टार्ट की क्योंकि फर्स्ट गियर फँसा रहा था।

iii. लाल बत्ती रुकने के लिए संकेत होता है और यह चौराहों पर लगी होती है।

iv. पापा के अनुसार जो नियमों का पालन नहीं कर सकते उन्हें सड़क पर गाड़ी चलाने का अधिकार नहीं है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iv वह भैया की ड्राइविंग से डरता है

2. ii फर्स्ट गियर फँस रहा था

3. iii. चालकों की सुविधा के लिए

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. थोड़ी सुविधा भविष्य की किसी बड़ी असुविधा की जननी होती है पापा ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वजीरपुर डिपो के चौराहे पर लाल बत्ती में निकल आई ऐम्बेसेडर रुकी हुई थी और ट्रैफिक पुलिस के एक इंस्पेक्टर उसका चालान काट रहे थे।

ii. भैया के गाड़ी चलाने से शशांक को यह आपत्ति थी कि उसके मन में भय था कि वे कोई न कोई गड़बड़ कर देंगे।

iii. वजीरपुर डिपो के चौराहे पर लाल बत्ती तो थी लेकिन कोई सिपाही नहीं था परिणामत: लेखक के भाई ने एक्सिलेटर दबाकर गाड़ी की गति बढ़ा दी। तब पापा ने हैंडब्रेक खींचकर गाड़ी रोक दी।

iv. पापा ने पूरे सफर में भैया को ये नियम समझाए पापा ने कहा—गाड़ी हमेशा फर्स्ट गियर में स्टार्ट करते हैं। अपनी थोड़ी सी सुविधा के लिए गलत काम नहीं करना चाहिए। थोड़ी सुविधा भविष्य की किसी बड़ी असुविधा की जननी होगी। रोमांच छोड़ो, अपनी क्षमता पहचानो। गाड़ी उतनी ही तेज चलाओ जितनी नियंत्रण में रख सको। ''लाल बत्ती पर हम सिपाही के लाभ के लिए नहीं, अपने हित के लिए रुकते हैं। सड़क पर गाड़ी चलाने के कुछ नियम है जो सभी चालकों की सुविधा के लिए हैं। यदि तुम नियमों का पालन नहीं कर सकते तो तुम्हें सड़क पर गाड़ी चलाने का कोई अधिकार नहीं।''

v. बड़ों के तर्क व्यर्थ नहीं होते। उनके तर्कों में हमारी भलाई ही छुपी होती है जिसे हम नहीं समझ पाते।

(घ) आशय स्पष्ट करो–

उत्तर– लाल बत्ती ..... रुकते हैं।

आशय—उपर्युक्त पंक्ति में यह बताया गया है कि चौराहों पर जो लाल बत्ती लगी

होती है तथा वहाँ पर जो सिपाही वाहनों को रोकने के लिए खड़ा रहता है उसमें उस सिपाही का अपना कोई फायदा नहीं है। बल्कि उसके इशारा करने पर जब हम रुकते हैं तो उसमें हमारी ही भलाई होती है।

कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) अर्थ की दृष्टि से वाक्य के भेदों को उनके नाम से जोड़ो–

उत्तर–
i. क्या कर रहे हो? — **प्रश्नवाचक**
ii. भैया कुछ नहीं बोले। — **निषेधवाचक**
iii. शायद हम बच्चे समझ ही जाते। — **संदेहवाचक**
iv. गाड़ी तेज चलाओ। — **आज्ञावाचक**
v. भैया जब भी भूल करेगा तो मैं गाड़ी रोक दूँगा। — **संकेतवाचक**
vi. गाड़ी की गति बढ़ी। — **विधानवाचक**

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों में विराम-चिह्न लगाओ–

उत्तर– भैया बोले, ''ऊँह! आज यहाँ ट्रैफिक वाले खड़े थे तो इसका चालान हो गया। हर समय थोड़े ही ऐसा होता है।'' ''ठीक कहते हो'' पापा बोले,

(ग) मुहावरों को उनके अर्थ से मिलाओ और वाक्य बनाओ–

उत्तर–
i. उँगली उठाना — बहुत अधिक परेशान करना
ii. नाक में दम करना — युक्ति सफल न होना
iii. धूप में बाल सफेद करना — आरोप लगाना
iv. दाल का गलना — बिना अनुभव प्राप्त किए जीवन गुजारना

(घ) शब्दों का वर्ण-विच्छेद करो–

उत्तर–
i. क्षमता — **क् + ष + अ + म् + अ + त् + आ**
ii. शशांक — **श् + अ + श् + आ + न् + क् + अ**
iii. प्रियंक — **प् + र् + इ + य् + न् + अ + क् + अ**
iv. नियंत्रण — **न् + इ + य् + न् + अ + त् + र् + अ + ण् + अ**
v. समाप्त — **स + अ + म् + आ + प् + त् + अ**

(ङ) इन शब्दों में सही स्थान पर नुकता लगाओ–

उत्तर– सफ़ेद, टैफ़िक, साफ़, तेज़, राज़, मेज़, कागज़, कॉफ़ी।

(च) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची चुनो–

उत्तर–
i. विश्वास — **भरोसा** — **यकीन**
ii. सुविधा — **सहूलियत** — **आसानी**
iii. उत्साह — **जोश** — **हौसला**
iv. विपत्ति — **आपदा** — **विपदा**
v. योग्यता — **सामर्थ्य** — **क्षमता**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

9 कोशिश करने वालों की

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

ii. मन का विश्वास कार्य के लिए प्रेरित करता है।

iii. लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती।

iv. सिंधु में डुबकियाँ गोताखोर लगाता है।

v. असफलता को चुनौती के रूप में इसलिए स्वीकार करना चाहिए क्योंकि तभी सफलता के लिए पूरे मन से प्रयास किया जा सकता है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. नौका 2. i. गोताखोर

3. ii. साहस 4. iii. असफलता

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. लहरों तथा चींटी का उदाहरण कवि ने प्रयास करने के संदर्भ में दिया है।

ii. सफलता प्राप्त करने का मंत्र निरंतर पूरे लगन तथा उत्साह के साथ प्रयास करने से है।

iii. नहीं, समुद्र में कूदने वाले गोताखोरों को हर बार सफलता नहीं मिलती है।

iv. असफलता को चुनौती के रूप में लेने से ये परिणाम होते हैं कि व्यक्ति दुगुने उत्साह से फिर से प्रयास करता है।

v. संसार में सफल लोगों की जय-जयकार होती है क्योंकि उन्होंने सफलता अपनी मेहनत तथा उत्साह के बल पर प्राप्त की है।

(घ) पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

उत्तर– i. आखिर उसकी **मेहनत बेकार नहीं होती**
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

ii. डुबकियाँ **सिंधु में गोताखोर लगाता है,**
जा-जाकर खाली हाथ लौटकर आता है।

iii. जब तक **न सफल हो, नींद-चैन को त्यागो तुम**
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागों तुम।
कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

कुछ अलग नया–

उत्तर– असफलता ..... भागो तुम।

भावार्थ—उपर्युक्त पंक्तियों में असफल लोगों को संदेश देते हुए कवि कहता है कि असफलता तुम्हारी हार नहीं है, बल्कि असफलता तुम्हारे लिए एक चुनौती है तुम इसे स्वीकार करो और देखो तुम्हारे प्रयास में कहाँ, क्या कमी रह गई है। और उस कमी को दूर करो। तथा जब तक सफल न हो जाओ तब तक अपने सुख-चैन को त्याग दो और संघर्ष का मैदान छोड़कर न भागो बल्कि सफलता के लिए निरंतर संघर्षरत रहो।

भाषा-ज्ञान

(क) कविता में से तुकांत शब्द छाँटकर लिखो–

उत्तर– i. पार = **हार** v. चलती = **फिसलती**
ii. भरता = **अखरता** vi. लगाता = **आता**
iii. पानी = **हैरानी** vii. स्वीकार = **सुधार**
iv. त्यागो = **भागो** viii. बेकार = **हार**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखो और वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. सफल = **असफल** — आलसी लोग जीवन में असफल हो जाते हैं।
ii. विश्वास = **अविश्वास** — मोहन की हर बात से अविश्वास झलकता है।
iii. गहरा = **उथला** — बाढ़ आने से समुद्र का पानी उथला-उथला सा हो गया था।
iv. उत्साह = **निरुत्साह** — निरुत्साही लोग जीवन में कम ही सफल होते हैं।
v. जीत = **हार** — महाभारत के युद्ध में कौरवों को हार का सामना करना पड़ा।
vi. स्वीकार = **अस्वीकार** — फैक्टरी के मालिक ने मजदूरों की सभी माँगों को अस्वीकार कर दिया।

(ग) द्विगु समास के पाँच उदाहरण लिखो–

उत्तर– त्रिनेत्र त्रिदेव पंचानन
दशानन चर्तुभुज चौमासा

(घ) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– i. उत्साह = **लगन** **उमंग** **ऊर्जा**
ii. नौका = **नाव** **तरिणी** **बेड़ा**
iii. कोशिश = **प्रयास** **प्रयत्न** **चेष्टा**
iv. हार = **असफलता** **पराजय** **मात**
v. चींटी = **पीपिलिका** **लघु प्राणी** **चेंटी**
vi. सिंधु = **समुद्र** **वारिधि** **सागर**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखो–

उत्तर– i. कामचोर ii. कार्यरत
iii. नाविक iv. गोताखोर

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. स्वस्थ शरीर से तात्पर्य है—ऐसा शरीर, जो रोग रहित हो। और स्वस्थ शरीर वह है, जिसमें रक्त का प्रवाह संतुलित हो, श्वॉस की गति सामान्य हो, मांसपेशियाँ कसी हुई हों तथा पाचन तंत्र सुचारु हो।

ii. लेखिका ने शरीर की तुलना मशीन से की है।

iii. खाना, चलना, बोलना, मुड़ना, दौड़ना आदि अनेक क्रियाएँ मांसपेशियों द्‌वारा की जाती हैं।

iv. महात्मा गांधी बीमार होने को पाप का चिह्‌न मानते थे।

v. व्यायाम सदैव खुले स्थान पर, पार्क या मैदान में, छत पर, नदी तट पर या खेत के किनारे करना चाहिए। बंद कमरे में व्यायाम करने से लाभ नहीं होता। बंद और घुटन भरे वातावरण में व्यायाम करने से लाभ के स्थान पर हानि पहुँच सकती है तथा शरीर कई प्रकार के रोगों का शिकार हो सकता है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. लेखिका की 2. i. जो रोग रहित हो

3. i. मशीन के

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. शरीर को स्वस्थ रखने का सर्वोत्तम साधन है—व्यायाम। व्यायाम से आशय है—ऐसी शारीरिक क्रियाएँ, जिनसे विभिन्न अंगों में सक्रियता हो।

ii. व्यायाम से शरीर स्वस्थ, बलवान, चुस्त और फुर्तीला बनता है। यही उत्तम स्वास्थ्य का आधार है।

iii. लेखिका को व्यायाम करने की आदत बचपन से ही अपने पिता द्‌वारा पड़ी।

iv. अस्वस्थ व्यक्ति के लिए जीवन के सभी ऐश्वर्य व्यर्थ हैं—क्योंकि यदि व्यक्ति स्वस्थ नहीं होता तो वह उन सारे ऐश्वर्यों को नहीं भोग पाएगा।

v. आवश्यकता से अधिक व्यायाम इसलिए नहीं करना चाहिए क्योंकि आवश्यकता से अधिक व्यायाम करने से लाभ के स्थान पर हानि पहुँच सकती है तथा शरीर कई प्रकार के रोगों का शिकार हो सकता है।

vi. अच्छा स्वास्थ्य जीवन का सर्वोत्तम धन है। इसलिए उसे बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयत्न करना चाहिए।

vii. व्यायाम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसी विद्‌वान ने कहा है—'जिस प्रकार बिजली की धारा से बिजली के तार में उत्तेजना होती है, उसी प्रकार व्यायाम द्‌वारा खून में गरमी पहुँचाने से शरीर की नसें और नाड़ियाँ उत्तेजित तथा क्रियाशील हो जाती हैं। स्वस्थ शरीर का महत्त्व मन, बुद्‌धि, आत्मा, धन, वैभव सबसे ऊपर है।'

कुछ अलग नया–

उत्तर– विज्ञान ने शारीरिक श्रम को बहुत हद तक कम कर दिया है क्योंकि विज्ञान के कारण मनुष्य के पास सुख-सुविधाओं के अनेक साधन मौजूद हैं जिनके प्रयोग से मनुष्य का शारीरिक श्रम करना बच जाता है।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्न शब्दों में 'इत' प्रत्यय लगाकर शब्द बनाओ–

उत्तर– i. चिंता = **चिंतित** ii. संतुलन = **संतुलित**
iii. नियम = **नियमित** iv. नियंत्रण = **नियंत्रित**
v. उत्तेजना = **उत्तेजित**

(ख) निम्न शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो–

उत्तर– i. धन = **लक्ष्मी, मुद्रा** iv. जान = **प्राण, जीवन**
ii. रोगी = **अस्वस्थ, बीमार** v. शरीर = **तन, काया**
iii. रक्त = **खून, रुधिर** vi. कमजोर = **दुर्बल, क्षीणकाय**

(ग) शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. व्यायाम = हमें नियमित **व्यायाम** करना चाहिए।
ii. अनुकूल = सारी परिस्थितियाँ हमारे **अनुकूल** नहीं होती।
iii. स्वस्थ = **स्वस्थ** शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है।
iv. स्वास्थ्य = अच्छे **स्वास्थ्य** के लिए नियमपूर्वक व्यायाम तथा समय से खाना-पीना चाहिए।
v. साधन = वर्तमान समय में मनुष्य के पास सुख-सुविधाओं के सभी **साधन** मौजूद हैं।
vi. फुरतीला = व्यायाम से शरीर, स्वस्थ, चुस्त तथा **फुर्तीला** बनता है।
vii. नियमित = सभी मनुष्यों को **नियमित** जीवन जीना चाहिए।

(घ) निम्नलिखित शब्दों में कारक बताओ–

उत्तर– i. अधिकरण कारक
ii. अधिकरण कारक, संबंध कारक
iii. संप्रदान कारक
iv. कर्ता कारक, संबंध कारक, अपादान कारक
v. संबंध कारक,
vi. संप्रदान कारक, संबंध कारक
vii. कर्ता कारक, संप्रदान कारक, करण कारक
viii. कर्ता कारक, करण कारक।

(ङ) उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलकर बताओ–

उत्तर– i. आवश्यकता से अधिक अच्छा होना भी हमें हानि पहुँचाता है।
ii. आवश्यकता से अधिक सोचना भी हमें मानसिक हानि पहुँचाता है।
iii. आवश्यकता से अधिक खाना भी हमारे शरीर को हानि पहुँचाता है।

iv. आवश्यकता से अधिक बोलना भी हमारे व्यक्तित्व को हानि पहुँचाता है।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

11 परिंदे की फरियाद

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. परिंदा आजादी का प्रतीक है।

ii. परिंदा सब कुछ इसलिए याद कर रहा है क्योंकि अब वो कैद में है।

iii. दिल पर चोट तब लगती है जब ओस गिरने पर कलियों का मुस्कुराना याद आता है।

iv. कैदी आजादी में अपनी खुशी से कहीं पर भी आ-जा सकता था तथा बाहर रहकर वह प्रकृति का पूरा आनंद ले सकता था।

v. स्वतंत्रता जीवन में आवश्यक है क्योंकि चाहे कितनी भी सुख-सुविधाएँ हों लेकिन बंधन में रहने पर वह भी अच्छी नहीं लगती। पिंजरा चाहे सोने का हो, लेकिन बंधन-बंधन ही होता है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iii. आजादी 2. iv. उसे कैद कर लिया गया है

3. iv. जब आजाद हों 4. i. फूलों की कलियाँ

5. ii. फूलों को

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. परिंदे को अपने आजादी के दिन याद आते हैं।

ii. परिंदे को पिंजरे में कैद कर लिया गया है।

iii. कैदी को गुजरे जमाने की सभी बातें याद आ रही है। अपने घोंसले की आजादी, ओस गिरने पर कलियों का मुस्कुराना आदि बातें याद आ रही हैं।

iv. कैदी को यह डर है कि कहीं वह इस कैद में ही न मर जाए तथा उसको ये दुख है कि जब से उसका घर छूटा है तब से उसके दिल को गम खाए जा रहा है और गम को दिल खाए जा रहा है।

v. कैदी की कैद करने वाले से ये फरियाद है कि ओ कैद करने वाले। मुझ बेजुबान कैदी को आजाद कर दे और मुझे छोड़कर मेरे दिल की दुआएँ लें।

vi. 'परिंदे की फरियाद' इस कविता का सार्थक शीर्षक है क्योंकि आजादी सभी को अच्छी लगती है और हमें पक्षियों को भी कैद करके नहीं रखना चाहिए।

कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) उचित स्थान पर नुकता लगाओ–

उत्तर– i. बेजबाँ **बेज़बाँ** iv. फरियाद **फ़रियाद**
ii. आजादी **आज़ादी** v. कफस **कफ़स**
iii. गुजरा **गुज़रा** vi. जमाना **ज़माना**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो–

उत्तर– i. शबनम **ओस, तुहिन**
ii. घोंसला **नीड़, पक्षियों का घोंसला**
iii. आजादी **स्वतंत्रता, रिहाई**
iv. किस्मत **भाग्य, विधि**
v. चमन **बगीचा, बहार**
vi. गम **दुख, पीड़ा**

(ग) रिक्त स्थानों में आए विशेषण से भाववाचक संज्ञा तथा भाववाचक संज्ञा से विशेषण शब्द बनाओ–

	विशेषण	**भाववाचक संज्ञा**		**विशेष**	**भाववाचक संज्ञा**
i.	खुश	खुशी	iv.	आजाद	**आजादी**
ii.	बदनसीब	**बदनसीबी**	v.	**रिहा**	रिहाई
iii.	प्यारी	**प्यार**	vi.	अँधेरे	**अँधेरी**

(घ) रेखांकित पदों का लिंग पहचानकर लिखो–

उत्तर– i. स्त्रीलिंग ii. पुल्लिग iii. पुल्लिग
iv. पुल्लिग v. स्त्रीलिंग

(ङ) रेखांकित पदों का कारक भेद लिखो–

उत्तर– i. संबंध कारक ii. करण कारक
iii. अधिकरण कारक iv. करण कारक
v. संप्रदान कारक vi. संबंध कारक, अधिकरण कारक
vii. संप्रदान कारक viii. अधिकरण कारक, संप्रदान कारक।

(च) वाक्यांश के लिए एक-एक शब्द लिखो–

उत्तर– i. न्यायप्रिय ii. न्यायाधीश iii. ऋणी
iv. साहूकार v. अपराधी vi. निरपराधी।

(छ) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. प्यारी-प्यारी = रमेश ने पिंजरे में दाना डाल दिया और उसमें दो **प्यारी-प्यारी** चिड़िया फँस गई।
ii. आशियाना = नीम के पेड़ पर पक्षियों का **आशियाना** था।
iii. बदनसीब = मोहन बहुत ही **बदनसीब** है, उसके भाग्य में सुख ही नहीं है।
iv. आजाद = सोमेश ने पिंजरे से चिड़िया को **आजाद** कर दिया।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

12 लालबहादुर शास्त्री

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. रास्ते में आम के पेड़ का बगीचा पड़ता था।

ii. नन्हें लालबहादुर शास्त्री के बचपन का नाम था। इनका जन्म 2 अक्टूबर सन् 1904 को मुगलसराय में हुआ था।

iii. नन्हें ने बगीचे से एक गुलाब का फूल तोड़ा था।

iv. शास्त्री जी स्वभाव से शांत तथा परिश्रमी थे।

v. शास्त्री जी ने जनता को 'जय-जवान', 'जय-किसान' का नारा दिया था

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. बगीचे के माली ने 2. i. 2 अक्टूबर सन् 1904

3. i. असहयोग 4. ii. ललिता देवी

5. iii. 6 जून 1964 में जवाहरलाल नेहरू के बाद

6. i. लाल बहादुर शास्त्री का

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. माली ने नन्हें को फूल तोड़ने के लिए डाँटा था और उनके डाँट भरे उपदेश ने उनका जीवन बदल दिया क्योंकि तभी से नन्हें ने संकल्प कर लिया कि वह अच्छा बच्चा बनेगा।

ii. नन्हें का बचपन अपने नाना के घर मुगलसराय में बीता। उनका बचपन निर्धनता तथा अभावों में बीता।

iii. सन् 1920 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन छेड़ा और सारा देश उनकी पुकार पर अपने को समर्पित कर देने के लिए उठ खड़ा हुआ। बड़े-बड़े लोगों ने सरकारी नौकरियाँ छोड़ दीं, वकीलों और बैरिस्टरों ने मोटी-मोटी कमाइयों को ठुकरा दिया और छात्र स्कूलों और कॉलेजों से बाहर निकल पड़े। विदेशी कपड़ों की होली जलाई जाने लगी और छोटे-छोटे बच्चे शराब की दुकानों पर जाकर धरना देने लगे। इस तरह भारत से अंग्रेजी सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए शहर-शहर और गाँव-गाँव में एक आंदोलन फैल गया।

इस उफान और तूफान ने लालबहादुर की आत्मा को भी झकझोर दिया। मित्रों ने समझाया, सगे-संबंधियों ने आगा-पीछा सुझाया, किंतु लालबहादुर के हृदय में धधकते हुए देश-प्रेम ने उन्हें चैन से नहीं बैठने दिया और अंत में माँ ने भी कह दिया, ''बेटा, जो कुछ भी करो, सोच-समझकर करो, मैं तुम्हारा साथ दूँगी।'' उस समय लालबहादुर बड़े धर्म-संकट में थे। परिवार की स्थिति उनके पैरों में बेड़ी डाले हुए थी। माँ और बहनों की आशाओं के केंद्र वे ही थे। किंतु देश परिवार से

बड़ा था। जननी से बड़ी भारत माता थी। लालबहादुर अपनी और अपने परिवार की चिंता छोड़कर असहयोग आंदोलन में कूद पड़े और शीघ्र ही बंदी बना लिए गए।

iv. श्री जवाहलाल नेहरू की मृत्यु हो जाने पर देश के राजनैतिक नेताओं ने खूब सोच-समझकर शास्त्री जी को उनका उत्तराधिकरी चुना और 6 जून सन् 1964 को शास्त्री जी भारत के प्रधानमंत्री बने। उस समय देश की स्थिति अच्छी नहीं थी। चारों ओर संकट के बादल मँडरा रहे थे।

v. शास्त्री जी की विजय का सबसे बड़ा रहस्य यह था कि वे सदा जनता को अपने साथ लेकर चले। उन्होंने 'जय जवान' और 'जय किसान' का नारा दिया, जिसका परिणाम यह हुआ कि जहाँ एक ओर जवानों ने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राण हथेली पर ले लिए, वँही किसानों ने अपने परिश्रम द्वारा अधिक से अधिक अन्न उपजाने का प्रण लिया। इससे सारा राष्ट्र एक फौलादी दीवार की तरह कष्ट का सामना करता दिखाई दिया। प्रधानमंत्री के रूप में यह शास्त्री जी की बहुत बड़ी उपलब्धि थीं।

vi. शास्त्री जी सही अर्थों में जनता के हृदय सम्राट थे। एक साधारण जन में महान बनने के लिए जितने भी सदगुण होने चाहिए, वे सभी उनमें विद्यमान थे। सत्य के प्रति निष्ठा, असत्य से घृणा, सिद्धांतों पर अटल विश्वास—ये सभी विशेषताएँ मानो उन्हें घुट्टी में पिलाई गई थीं शास्त्री जी देश-प्रेम को सबसे ऊँचा समझते थे और अपने सिद्धांतों के बड़े पक्के थे। सिद्धांतों के आगे वे अपनी पत्नी और बच्चों तक की परवाह नहीं करते थे।

vii. युद्ध बंद हो जाने पर भारत-पाकिस्तान के बीच संधि कराने के प्रयत्न चलते रहे और रूस के प्रधानमंत्री कोसीगिन के प्रयत्नों के फलस्वरूप ताशकंद में भारत के प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल अयूब की भेंट हुई और दस घंटों बाद ताशकंद के अतिथि-गृह में ही रात को एकाएक शास्त्री जी को बेचैनी हुई और चंद मिनटों में हृदय-गति रुक जाने से उनका निधन हो गया।

कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– i. मुँह में पानी भर आना। **(लालच आ जाना)**
बेल पर लधे हुए अँगूरों को देखकर लोमड़ी के **मुँह में पानी भर** आया।

ii. होली जलाना। **(आग में जलाना)**
भारतीयों ने विदेशी कपड़ों की **होली जलाकर** विदेशी कपड़ों का बहिष्कार किया।

iii. हाथ बँटाना। **(सहयोग करना)**
घर में बहुत सारा काम फैला हुआ था, दीपाली ने समय पर आकर काम में **मेरा हाथ बँटाया।**

iv. अस्त-व्यस्त होना। **(संतुलन में न रहना)**
मैं एक हफ्ते के लिए घर से बाहर क्या गई, सारा घर **अस्त-व्यस्त हो गया।**

v. नाम स्वर्णाक्षरों में लिखना। **(बहुत नाम कमाना)**
भारत को आजादी दिलाने वाले महान सपूतों का नाम **स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा।**

vi. हाहाकार मचना। **(बड़ी विपत्ति आना)**
जब दुर्घटना में मरे हुए सोहन के बेटे का शव घर में लाया गया तो मोहल्ले में **हाहाकार मच गया।**

vii. आँसू पीना। **(दुख को अंदर ही अंदर महसूस करना)**
कोई गलती न होने पर भी जब सौतेली माँ ने नीरा को मारा तो उसने अपने **आँसू पी लिए।**

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में अव्यय छाँटो–

उत्तर– i. जहाँ–का–तहाँ ii. के सामने iii. ने
iv. के साथ v. ने vi. जी

(ग) निर्देश के अनुसार वाक्य बदलो–

उत्तर– i. पीले–पीले रसीले आम वृक्षों पर लटक रहे थे।
ii. वह गुलाब का एक फूल तोड़ेगा।
iii. उसके साथ उसके सहपाठी नहीं थे।
iv. रास्ते में आम का एक बगीचा पड़ता है।
v. वे जय जवान, जय किसान का नारा देंगे।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त हुए विराम चिह्नों का नाम लिखो–

उत्तर– i. विस्मयादि चिह्न, उदधरण चिह्न, योजक चिह्न, पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक चिह्न।
ii. प्रश्नवाचक चिह्न।
iii. अल्प विराम चिह्न, पूर्ण विराम चिह्न।

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में सकर्मक और अकर्मक क्रियाएँ छाँटो–

उत्तर–	**सकर्मक**	**अकर्मक**		**सकर्मक**	**अकर्मक**
i.	सकर्मक		ii.	सकर्मक	
iii.		अकर्मक	iv.	सकर्मक	
v.		अकर्मक	vi.		अकर्मक।

(च) निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण-विशेष्य छाँटिए–

उत्तर–	**विशेषण**	**विशेष्य**
i.	विजयी	वीर
ii.	अंतिम	क्षण
iii.	स्वभाव	शांत, परिश्रमी
iv.	सरल, छोटे, सीधे-सादे	स्वभाव, कद, विश्वास
v.	फौलादी	दीवार।

(छ) निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण शब्दों को छाँटकर लिखो–

उत्तर– i. सर्वनाम ii. सार्वनामिक विशेषण

iii. सार्वनामिक विशेषण iv. सर्वनाम।

(ज) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखो–

उत्तर– i. भाग्यशाली ii. लखपति iii. दिनचर्या
iv. सर्वव्यापी v. मासिक आमदनी vi. सर्वदृष्टा।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

13 बाबा आमनाथ की अमराई

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. बाबा आमनाथ अपने आप को सिद्ध कहलवाते थे।
ii. आम का अचार कच्चे आम का बनता है।
iii. आम के अचार का स्वाद खट्टा होता ।
iv. माँगकर ली जाने वस्तु भिक्षा होती है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. सिरमौर राज्य के नाहन नगर में
2. iii. भिक्षा और आम का अचार
3. iii. कुछ धनी-मानी लोग
4. ii. आम के अधिक से अधिक पेड़ लगाने का

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. बाबा आमनाथ अपने शिष्यों के साथ इधर-उधर घूमा करते थे। भिक्षा माँग कर खाते और योगाभ्यास करते थे। जो जगह ठीक लगती वहाँ जम जाते। मन उचट जाने पर डेरा उठाकर आगे बढ़ जाते।

ii. बाबा ने अपने एक शिष्य को यह आदेश दिया कि वह राजा के यहाँ से भिक्षा माँग लाए। साथ ही शिष्य को उन्होंने विशेष रूप से यह भी समझाया कि वह भोजन सामग्री के साथ आम का अचार लाना न भूले।

iii. राजभंडारी ने शिष्य को आम का अचार देने में अपनी असमर्थता प्रकट की।

iv. दरअसल कुछ वर्षों से सिरमौर में आम की फसल अच्छी नहीं हो रही थी। सर्वत्र आम का अकाल पड़ गया था। कुछ धनी मानी लोग ही आम का अचार डालने में समर्थ थे, क्योंकि दूरदराज से मँहगे आम मँगाने की हैसियत सिर्फ उन्हीं की थी।

v. राजभंडारी ने शिष्य को आचार देने को मना कर दिया और जब मंत्री को यह बात पता चली तो मंत्री ने शिष्य को धमकाते हुए कहा कि अपने गुरु से जाकर कहना कि रोज-रोज आम का अचार नहीं मिलेगा। आम का आचार यदि इतना ही अच्छा लगता है, तो क्यों नहीं कहीं अमराई लगाकर बैठ जाते हैं निठल्ले रहने

से क्या फायदा।

कुछ अलग नया–

उत्तर– इसके अलावा आम की चटनी, आम का शरबत, तथा पके हुए आम ऐसे भी खाये जाते हैं।

भाषा-ज्ञान

(क) दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– i. समय **काल वक्त**
ii. पेड़ **तरु वृक्ष**
iii. शिष्य **चेला शिक्षार्थी**
iv. राजा **नृप महीप**
v. गुरु **अध्यापक शिक्षक**
vi. अनिवार्य **जरूरी, आवश्यक**

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं।

ii. यह उपवाक्य किसी पर आश्रित न होकर अपने आप में स्वतंत्र होते हैं। ऐसे दो उपवाक्य जो आपस में स्वतंत्र होते हैं ऐसे वाक्यों को संयुक्त वाक्य भी कहते हैं।

iii. जब किसी वाक्य में एक से अधिक उपवाक्य हों और एक वाक्य में मुख्य उद्देश्य तथा मुख्य विधेय हो तो वह प्रधान उपवाक्य होता है।

iv. प्रधान उपवाक्य में कही गई बात का संबंध जिस उपवाक्य से होता है, वह आश्रित उपवाक्य होता है।

(ग) स्वतंत्र, प्रधान तथा आश्रित उपवाक्य के दो-दो उदाहरण लिखो–

उत्तर– i. स्वतंत्र उपवाक्य— हमने भोजन किया और अंत्याक्षरी शुरू कर दी।
हम कक्षा में पहुँचे और पढ़ना शुरू कर दिया।

ii. प्रधान उपवाक्य— पकड़े हुए लड़के ने बताया कि वह एक भिखारी है और यहाँ भीख माँगने आया हैं।
हमारे नए पड़ोसी ने बताया कि उनका तबादला यहाँ हुआ है, और वे यहाँ रहने आए हैं।

iii. आश्रित उपवाक्य— नीम का एक पेड़ था, जिसकी कोटर में एक अजगर रहता था।
पीपल का एक वृक्ष था, जिस पर दो भूत रहते थे।

(घ) निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखो–

उत्तर– i. तपस्वी ii. यात्री iii. दूरदर्शी
iv. अनुज v. अग्रज vi. साप्ताहिक
vii. मासिक viii. दैनिक ix. चिकित्सक
x. हन्ता xi. सिपाही xii. ज्योतिषी।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. आदान = **प्रदान**
ii. महँगा = **सस्ता**
iii. इधर = **उधर**
iv. अनिवार्य = **वैकल्पिक**
v. विनम्र = **कर्कश**
vi. संतुष्ट = **असंतुष्ट**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

14 उपहार

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. शेरोजा के चाचा जी ने उसे उपहार में चिड़िया पकड़ने वाला एक पिंजरा दिया।

ii. नहीं। चिड़िया पकड़ना अच्छी बात नही है।

iii. पिंजरे में बुलबुल फँसी थी।

iv. सुबह होने पर शेरोजा ने चिड़िया को मरा हुआ देखा।

v. नहीं हमें आज तक ऐसा अनोखा उपहार नहीं मिला।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. पिंजरे में चिड़िया कैसे फँसती है 2. i. खाना खाने

3. i. पिंजरे में नन्ही–सी चिड़िया 4. i. दो दिन

5. ii. वह मर गई

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. शेरोजा को उसके जन्मदिन पर ढेर सारे उपहार मिले। पर एक उपहार ऐसा था, जो इन सबसे बेहद अलग और अनोखा था। क्योंकि शेरोजा के चाचा जी ने उसे चिड़िया पकड़ने वाला एक पिंजरा उपहार में दिया था।

ii. चिड़िया को फँसाने के लिए शेरोजा ने घर के आँगन में पिंजरा रखकर उसमें दाने बिखेर दिए और वही खड़ा हो गया। वास्तव में, वह देखना चाहता था कि इस पिंजरे में चिड़िया कैसे फँसती है।

iii. शेरोजा ने दो दिनों तक लगातार उस नन्ही–सी चिड़िया की अच्छी देखभाल की। लेकिन तीसरे दिन से जैसे चिड़िया में उसकी दिलचस्पी कम हो गई। पिंजरा बेहद गंदा हो चुका था। उसमें रखा पानी भी गंदा हो चुका था। यह देखकर माँ ने पिंजरे की ओर इशारा करते हुए शेरोजा से कहा, ''देखो, तुम चिड़िया की देखभाल नहीं कर रहे हो। बेहतर होगा, तुम इसे आजाद कर दो। यह सुनकर शेरोजा ने पिंजरे की सफाई शुरू कर दी। जब वह सफाई कर रहा था, उस समय वह नन्हीं चिड़िया बुरी तरह फड़फड़ा रही थी जैसे कि वह शेरोजा से डर रही हो।''

iv. पिंजरे को दरवाजा खुला देखकर माँ ने आवाज दी, ''शेरोजा, पिंजरे का दरवाजा बंद कर दो वरना चिड़िया उड़ जाएगी। उसे चोट भी पहुँच सकती है।''

v. चिड़िया की मौत हो जाने के कारण शेरोजा कई रातों तक नहीं सो पाया था। जब भी वह आँखें बंद करता, उसे पिंजरे में कैद फड़फड़ाती और आजादी के लिए संघर्ष करती वह नन्हीं–सी चिड़िया ही दिखाई देती। इस घटना से उसे यह सबक मिला कि आजादी हर जीव को कितनी प्यारी होती है उसके लिए उपहार से बढ़कर यह सबक ही मूल्यवान था।

vi. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी जीवों को सताना या कैद करके नहीं रखना चाहिए।

(घ) किसने, किससे कहा–

उत्तर– i. शेरोजा ने माँ से ii. माँ ने शेरोजा से
iii. माँ ने शेरोजा से iv. माँ ने शेरोजा से

कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं कीजिए।

भाषा-ज्ञान

(क) विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. छोड़ना **पकड़ना** iv. गुलामी **आजादी**
ii. बदसूरत **खूबसूरत** v. मूल्यहीन **मूल्यवान**
iii. बदतर **बेहतर** vi. गंदगी **सफाई**

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित सर्वनामों के भेद लिखो–

उत्तर– i. निश्चयवाचक सर्वनाम ii. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
iii. अनिश्चयवाचक सर्वनाम iv. प्रश्नवाचक सर्वनाम
v. प्रश्नवाचक सर्वनाम vi. निश्चयवाचक सर्वनाम।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य छाँटकर अलग लिखो।

उत्तर–	**विशेषण**	**विशेष्य**		**विशेषण**	**विशेष्य**
i.	सुंदर	चिड़िया	ii.	मीठे	सुरों
iii.	खूबसूरत	चिड़िया	iv.	नन्हीं	चिड़िया
v.	अंतिम	साँसें			

(घ) निम्नलिखित विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाओ।

उत्तर– i. सुंदर **सुंदरता** iv. साफ **सफाई**
ii. भूखा **भूखा** v. आजाद **आजादी**
iii. खूबसूरत **खूबसूरती** vi. गंदा **गंदगी**

(ङ) निम्न शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो।

उत्तर– उपहार — मैंने अपने दोस्त को **उपहार** में घड़ी दी।
धड़कन — अचानक अपने सामने बस को आता देख मेरी **धड़कन** तेज हो गई।
चोट — सड़क पर गिर जाने के कारण गीता के पैर में **चोट** लग गई।
सदमा — सुशील को फेल हुआ सुनकर मुकेश को बहुत **सदमा** लगा।
सबक — मैंने अपने दुश्मन को गलती करने के कारण **सबक** सिखाया।

(च) निम्न शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर–			
i.	उपहार	**भेंट**	**नजराना**
ii.	चिड़िया	**पक्षी**	**विहग**
iii.	समय	**वक्त**	**कालांतर**
iv.	अंतिम	**आखिरी**	**अंत**

v. माँ **जननी** **अंबा**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

15

ठुकरा दो या प्यार करो

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. कवयित्री ने पूजा और पुजापा स्वयं को कहा है।

ii. भगवान भक्तों से सरल हृदय से किए गए प्रेम की अपेक्षा रखते हैं।

iii. भगवान आस्था के भूखे होते हैं।

iv. भगवान को प्रसन्न रखने के लिए भक्त को सभी से प्रेम करना चाहिए तथा सरलता के साथ जीवन यापन करना चाहिए। अपने कर्त्तव्यों का पालन करना चाहिए तथ सच्चे तथा शुद्ध मन से परोपकार करना चाहिए क्योंकि भगवान दिखावे से प्रसन्न नहीं होते हैं।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. बहुमूल्य और कई रंगों की

2. ii. मंदिरों में 3. ii. निर्धन

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. उपासक मंदिर में रंग-बिरंगी बहुमूल्य भेंटे तथा मोती-मणियाँ आदि बहुमूल्य वस्तुएँ धूप, दीप, नैवेद्य, फूलों की माला आदि लेकर जाते हैं।

ii. कवयित्री के पास पूजा के लिए धूप, दीप, नैवेदय, फूलों की माला तथा चढ़ाने के लिए पुजापा आदि वस्तुओं का अभाव है।

iii. कवयित्री प्रेममग्न होकर मंदिर में अपना हृदय दिखाने और चढ़ाने आई है।

iv. कवयित्री ने अपना हृदय तथा अपने मन के भाव स्वीकार करने अथवा ठुकराने के लिए कहा है।

v. इस कविता की कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान हैं।

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों का संदर्भ सहित भाव स्पष्ट करो–

उत्तर– i. पूजा ..... समझो।।

संदर्भ—प्रस्तुत पंक्तियाँ सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा रचित 'ठुकरा दो या प्यार करो' नामक कविता से ली गई हैं। इस कविता में कवयित्री ने शुद्ध हृदय से भगवान की प्रार्थना की है।

भावार्थ—इन पंक्तियों में भगवान की प्रार्थना करते हुए कवयित्री कहती है कि हे प्रभु! मेरे पास पूजा करने के लिए तथा चढ़ाने के लिए कोई भी वस्तु नहीं है। तथा मेरे पास दान-दक्षिणा आदि कुछ भी नहीं है। मेरे पास आपको अर्पण करने के लिए केवल मैं हूँ।

ii. मैं उन्मत्त ..... आई हूँ।।

संदर्भ—प्रस्तुत पंक्तियाँ सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा रचित 'ठुकरा दो या प्यार करो' नामक कविता से ली गई हैं। इस कविता में कवयित्री ने ईश्वर से अपना हृदय स्वीकार करने की प्रार्थना की है।

भावार्थ—कवयित्री कहती हैं कि हे प्रभु! मैं तो आपके प्रेम में मग्न होकर आपको अपना प्रेम से भरा हृदय दिखाने आई हूँ। मेरे पास केवल प्रेम से भरा हृदय ही है और मैं इसे ही आपको अर्पण करने आई हूँ।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो–

उत्तर– i. उपासक **पुजारी** iv. हाथ **कर**
ii. वाणी **आवाज** v. स्वर **बोली**
iii. फूल **पुष्प** vi. विधि **भाग्य**

(ख) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. साहस — हमें कठिनाइयों का **साहस** के साथ सामना करना चाहिए।
ii. प्रेम — प्रकृति से **प्रेम** करके ही हम पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं।
iii. चरण — जब भरत भ्राता राम से मिलने वन में गए, तो उन्हें देखते ही उनके **चरणों** में गिर पड़े।
iv. बहुमूल्य — सुदामा के चावल कृष्ण जी के लिए एक **बहुमूल्य** भेंट थी।
v. भेंट — अनेक अवसरों पर हम अपने प्रियजनों को तरह-तरह की **भेंटें** देते हैं।

(ग) निम्नलिखित शब्दों का लिंग-निर्णय करो–

उत्तर– i. वाणी **स्त्रीलिंग** vi. नाथ **पुल्लिंग**
ii. मुक्तामणि **स्त्रीलिंग** vii. मंदिर **पुल्लिंग**
iii. चरण **पुल्लिंग** viii. फूल **पुल्लिंग**
iv. उपासक **पुल्लिंग** ix. पुजारिन **स्त्रीलिंग**
v. दीप **पुल्लिंग**

(घ) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाओ–

उत्तर– i. चातुर्य **चतुरता** ii. गरीबी **गरीब**
iii. साहस **साहसी**

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशित शब्दों के कारक बताओ–

उत्तर– i. **का, को, में** संबंध कारक, संप्रदान कारक, अधिकरण कारक
ii. **में** अधिकरण कारक

(च) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. बहुमूल्य **अल्पमूल्य** vi. स्वार्थ **परमार्थ**
ii. माधुर्य **काठोर्य** vii. साहस **कायरता**
iii. गुण **अवगुण** viii. धैर्य **जल्दबाजी**

iv. गरीबनी **अमीरनी** ix. मनुष्यता **दैत्यता**

v. चातुर्य **सरलता**

(छ) बताओ, निम्नलिखित शब्द व्याकरण की दृष्टि से क्या हैं–

उत्तर– i. मंदिर **जातिवाचक संज्ञा** iv. ठुकराना **भाववाचक संज्ञा**

ii. गरीबनी **भाववाचक संज्ञा** v. बहुमूल्य **भाववाचक संज्ञा**

iii. नाथ **भाववाचक संज्ञा** vi. सुगंध **भाववाचक संज्ञा**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

16 देश के प्रति हमारे कर्तव्य

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. देश के प्रति भी हमारे कुछ कर्त्तव्य होते हैं, जैसे—देश के सम्मान की रक्षा करना तथा अपने देश का मान बढ़ाना हमारे प्रमुख कर्त्तव्य है।

ii. फल नहीं मिलने पर स्वामी रामतीर्थ के मुँह से निकला— ''जापान में शायद फल नहीं मिलते।''

iii. फल का मूल्य देने के बारे में जापानी युवक ने स्वामी जी से कहा—''आप इनका मूल्य देना ही चाहते हैं तो वह यह है कि आप अपने देश में जाकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में फल नहीं मिलते।''

iv. विदेशी विद्यार्थी को जापान से इसलिए निकाल दिया गया क्योंकि उसने सरकारी पुस्तकालय की एक पुस्तक से कुछ दुर्लभ चित्र निकालकर पुस्तकालय में पुस्तक वापस कर दी थी।

v. इस निबंध से हमें यह शिक्षा मिलती है कि कर्त्तव्य सिर्फ हमारे अपने हित के लिए नहीं बल्कि अपने देश के हित के लिए भी हमें पूरे करने चाहिए ताकि हमारे देश की तरक्की और उसका गौरव बढ़े।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. फल 2. iii. प्लेटफॉर्म पर 3. ii. पत्नी

4. i. तुर्की 5. i. पावभर शहद

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. जापानी युवक के यह कहने पर कि ''आप इनका मूल्य देना ही चाहते हैं तो वह यह है कि आप अपने देश में जाकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में फल नहीं मिलते।'' स्वामी रामतीर्थ मुग्ध हो गए।

ii. जापान में शिक्षा लेने वाले विदेशी युवक ने जापान के सरकारी पुस्तकालय से एक पुस्तक ली और उसमें से कुछ दुर्लभ चित्र निकालकर पुस्तक पुस्तकालय में वापस कर दी। किसी के शिकायत करने पर पुलिस ने वे चित्र उसके कमरे से बरामद कर लिए। उस विद्यार्थी को जापान से निकाल दिया गया तथा साथ ही

उस पुस्तकालय के बाहर बोर्ड पर लिख दिया गया कि उस देश का (जिसका वह विद्यार्थी था) कोई निवासी इस पुस्तकालय में प्रवेश नहीं कर सकता।

iii. प्रधानमंत्री नेहरू ने किसान को अपना दस्तखती फोटो इसलिए दिया क्योंकि वह किसान बहुत प्यार और सम्मान से नेहरू जी के लिए अपने द्वारा बनाया हुआ उपहार लाया था। अत: नेहरू जी ने अपना दस्तखती फोटो देकर उसकी भावना का सम्मान किया।

iv. यदि हम किसी सार्वजनिक स्थल पर अपने देश की बुराई करते हैं। अपने देश की तुलना दूसरे देशों से करके अपने देश को हीन तथा दूसरे देशों को श्रेष्ठ सिद्ध करते हैं तो हम अपने देश के शक्तिबोध को चोट पहुँचा रहे हैं और यदि हम देश में किसी भी स्थान पर किसी भी प्रकार की गंदगी फैलाते हैं तथा किसी को समय देकर लेट पहुँचते हैं या किसी को समय देकर घर पर नहीं मिलते हैं तो हम अपने देश की शुचिता तथा सौंदर्य बोध का अपमान कर रहे हैं।

v. हमारे देश को दो बातों की सबसे पहले और सबसे ज्यादा जरूरत है—एक शक्ति बोध और दूसरी सौंदर्य-बोध। बस हम यह समझ लें कि हमारा कोई भी काम ऐसा न हो जो देश में कमजोरी या कुरूचि की भावना को बल दे।

vi. यहाँ हम सभी का कर्त्तव्य बन जाता है कि हम अपने मन, वचन और कर्म से कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे देश के शक्ति-बोध और सौंदर्य-बोध को कोई हानि पहुँचे। दूसरे यदि अनुचित कार्य कर रहे हैं तो हमें उनका अनुसरण नहीं करना चाहिए और न ही यह सोचना चाहिए कि केवल हमारे ही अनुचित काम न करने से स्थिति में कोई सुधार आने वाला नहीं है। यदि आपके किसी गलत कार्य का अनुसरण करने वाले पचास लोग हो सकते हैं तो आपके उचित कार्य का अनुसरण करने वाला भी कोई-न-कोई अवश्य होगा। यदि आपके उचित कार्य का अनुसरण एक व्यक्ति भी कर रहा है तो वह पर्याप्त है।

(ख) आशय या भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– ''प्रत्येक नागरिक ..... मिलता है।''

आशय—उपर्युक्त पंक्तियों का आशय यह है कि देश का प्रत्येक नागरिक परोक्ष रूप से देश के साथ बँधा हुआ है। हम जो भी अच्छे-बुरे कार्य करते हैं उसका अच्छा-बुरा फल केवल हमें ही नहीं मिलता बल्कि उसका प्रभाव देश पर भी पड़ता है। इस प्रकार देश तथा उसके नागरिक आपस में जुड़े हुए हैं। अत: हमें ऐसे कार्य नहीं करने चाहिए जिससे देश का अपमान हो।

भाषा-ज्ञान

(क) विलोम शब्द लिखों–

उत्तर–

i.	अजेय	**पराजित**	v.	अधिकार	**अनाधिकार**
ii.	उच्च	**निम्न**	vi.	विश्वास	**अविश्वास**
iii.	सुलभ	**दुर्लभ**	vii.	सघन	**निर्जन**
iv.	अजेय	**पराजित**	viii.	श्रेष्ठ	**निकृष्ट**

(ख) सही वर्तनी पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– i. इन्साफ ii. कर्त्तव्य iii. परिस्थिति
iv. निश्चित v. अनुशासन

(ग) वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखो–

उत्तर– i. न्यायप्रिय ii. न्यायाधीश iii. ऋणी
iv. साहूकार v. अपराधी vi. निरपराधी

(घ) निम्नलिखित शब्दों में गण, लोग, दल या जन लगाकर बहुवचन बनाएँ–

उत्तर– दोस्त = **दोस्त लोग** लेखक = **लेखकगण**
गरीब = **गरीब लोग** विद्वान = **विद्वान लोग**
मित्र = **मित्रगण** गुरु = **गुरुजन**
यूनानी = **यूनानी लोग** हाथी = **हाथी, दल**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

सेवा ही सौन्दर्य है

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. दीन, दुर्बल, दु:खियों एवं रोगियों की सहायता करना ही सेवा है।
ii. दान देने से स्वार्थ बुद्धि दूर होकर आत्मबल का विकास होता है।
iii. नहीं, पेट पालना ही जीवन का उददेश्य नहीं है।
iv. दूसरों की तन, मन और धन से सहायता करना ही सच्ची सेवा है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iii. दान
2. iii. सेवा और परोपकार
3. ii. शिरोमणि तुलसीदास जी ने
4. ii. द्वेष और कपट त्याग दो

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. लेखक के अनुसार परोपकार का जीवन जीना चाहिए।
ii. संकट के समय दूसरों की सहयता करना ही 'मानवता' है।
iii. रहीम ने दरबारी को उत्तर दिया—''देने हारा और है, जो देता दिन-रैन। लोग भरम हम पै करे, या विधि नीचे नैन।''
iv. मनुष्य को दूसरों की सहायता इसलिए करनी चाहिए क्योंकि ''मानव की सहायता या सेवा करना ही 'ईश्वर की सच्ची पूजा है।''
v. लेखक के अनुसार मानव में परोपकार, सेवा, दया, दान जैसी भावनाएँ विद्यमान होने पर ही राष्ट्र और विश्व का कल्याण निश्चित है।

कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्न शब्दों का संधि-विच्छेद करो–

उत्तर– i. दयानंद = **दया** + **आनंद**

ii. परोपकार = **पर** + **उपकार**

iii. दुर्बल = **दुः** + **बल**

iv. अंत:करण = **अंतः** + **करण**

v. महानुभाव = **महा** + **अनुभाव**

(ख) शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखों–

उत्तर– i. शुद्ध = **पवित्र, निर्मल**

ii. परोपकार = **परहित, परमार्थ**

iii. भगवान = **ईश्वर, प्रभु**

iv. अभिमान = **घमंड, दर्प**

v. ईश्वर = **प्रभु, भगवान**

(ग) शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. परमार्थ **स्वार्थ** v. जीवन **मरण**

ii. अन्याय **न्याय** vi. ऊँचा **नीचा**

iii. सुखी **दुःखी** vii. सच्चा **झूठा**

iv. योग्यता **अयोग्यता** viii. द्वेष **प्रेम**

(घ) शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. परोपकार = **परोपकार** करना ही मनुष्य का परम् कर्त्तव्य है।

ii. सौंदर्य = मानव का सच्चा **सौंदर्य** सेवा करने में है।

iii. भगवान = सेवा मानव-जीवन की शोभा ही नहीं अपितु **भगवान** की सच्ची पूजा भी है।

iv. अभिमान = हमें कभी-भी अपनी वस्तुओं पर **अभिमान** नहीं करना चाहिए।

v. व्यर्थ = हमें **व्यर्थ** की बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

vi. अन्याय = संसार में हमेशा **अन्याय** पर न्याय की जीत होती है।

(ङ) दिए गए सर्वनाम शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. मैं = **मैं** अपना कार्य स्वयं कर लूँगा।

ii. तुम = **तुम** लोग ज्यादातर नौकरी-पेशा तथा बिजनेस में हो।

iii. जैसा-तैसा = निर्धन ने **जैसे-तैसे** करके सर्दी से बचने का प्रबंध किया।

iv. स्वयं = हमें अपना कार्य **स्वयं** ही करना चाहिए।

v. यह = शोभा ने अपनी पुत्री के बारे में कहा— **यह** घर का सारा काम संभाल लेती है।

vi. कहीं = माँ अपने बच्चों को बिना बताए **कहीं** भी नहीं जाती है।

vii. कौन = दरवाजे पर **कौन** आया है?

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

परीक्षा

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. प्रस्तुत कहानी के लेखक का नाम मुंशी प्रेमचंद है।

ii. महाराज ने सुजानसिंह के आगे यह शर्त रखी कि रियासत के लिए नया दीवान उन्हीं को खोजना पड़ेगा।

iii. इस कहानी का शीर्षक 'परीक्षा' इसलिए रखा गया क्योंकि रियासत के दीवान का चुनाव परीक्षा के द्वारा ही किया गया था।

iv. नए दीवान की खोज के लिए एक परीक्षा का आयोजन किया गया।

v. कीचड़ से गाड़ी को पं० जानकीनाथ ने निकाला था।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. सरदार सुजान सिंह 2. iii. सुयोग्य

3. ii. हॉकी 4. i. खेलते हुए

5. iii. उम्मीदवारों के दल की

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. दीवान सरदार सुजानसिंह ने महाराज से प्रार्थना की ''दीनबंधु! दास ने श्रीमान की सेवा चालीस साल तक की, अब कुछ दिन परमात्मा की सेवा करने की आज्ञा चाहता है। दूसरे अब अवस्था भी ढल गई। राजकाज सँभालने की शक्ति नहीं रही। कहीं भूल-चूक हो जाए तो बुढ़ापे में दाग लगे, सारी जिंदगी की नेकनामी मिट्टी में मिल जाए।''

ii. दीवान पद के लिए प्रसिद्ध समाचार-पत्रों में यह विज्ञापन निकला—''देवगढ़ के लिए एक सुयोग्य दीवान की आवश्यकता है। जो सज्जन अपने को इस काम के योग्य समझें वे वर्तमान दीवान सरदार सुजानसिंह की सेवा में उपस्थित हों। यह जरूरी नहीं कि वे ग्रेजुएट हों, मगर हृष्ट-पुष्ट होना आवश्यक है। एक महीने तक उम्मीदवारों के रहन-सहन, आचार-विचार की देखभाल की जाएगी। जो महाशय इस परीक्षा में खरे उतरेंगे, वही इस उच्च पद पर सुशोभित होंगे।''

iii. इस विज्ञापन के कारण प्रत्येक मनुष्य अपने जीवन को अपनी बुद्धि के अनुसार अच्छे रूप में दिखाने की कोशिश करता था। नौ बजे तक सोने वाले प्रात: टहलने लगे हुक्का पीने वाले छिपकर रात अंधेरे में सिगार पीने लगे। दुष्ट व्यक्ति आप कहकर बात करने लगे। कुछ लोग नास्तिक से आस्तिक बन गए किताबों से घृणा करने वाले ग्रन्थों में डूबने लगे।

iv. पं० जानकीनाथ का चुनाव दीवान पद के लिए हुआ क्योंकि पं० जानकीनाथ दीवान की परीक्षा में खरे उतरे तथा वे परोपकारी और साहसी थे।

v. इस कहानी से ये प्रेरणा मिलती है कि परीक्षा चाहे कैसी भी हो उसे हमेशा ही हिम्मत और लगन के साथ स्वीकार करना चाहिए।

(घ) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– i. देवगढ़ के लिए एक सुयोग्य दीवान की आवश्यकता थी क्योंकि देवगढ़ के दीवान सरदार सुजानसिंह बूढ़े हो गए थे।

ii. दीवान के लिए यह जरूरी नहीं था कि वे ग्रेजुएट हों, मगर हृष्ट-पुष्ट होना आवश्यक था।

iii. जो महाशय इस परीक्षा में खरे उतरेंगे, वही इस उच्च पद पर सुशोभित होंगे।

(ङ) निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट करो–

उत्तर– i. ''मनुष्यों का ..... छिपा है?''

आशय—उपर्युक्त पंक्तियाँ दीवान सरदार सुजानसिंह के बारे में कही गई हैं। सुजानसिंह को जीवन का बहुत अनुभव था। और परीक्षा के आयोजन में वह परोक्ष रूप से यह देख रहे थे कि बगुलों रूपी इस भीड़ में हंस कहाँ छिपा हुआ है। क्योंकि उनके पास एक जौहरी की पारखी नजरे थीं जो यह जान सकती थीं कि इस पद के योग्य असली दावेदार कौन है।

ii. ''गहरे पानी ..... मिलता है।''

आशय—इस पंक्ति का आशय यह है कि जब हम समुद्र में गहराई तक जाते हैं तभी मोती हमारे हाथ लगता है। ठीक इसी प्रकार से जब हम पूरी मेहनत लगन तथा ईमानदारी से परिश्रम करते हैं तथा दूसरों की सहायता करते हैं तभी हमें सफलता मिलती है।

कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित वाक्यों को पढ़ो और संयुक्त वाक्य बनाओ–

उत्तर– i. अखबारों में विज्ञापन छपा और सारे मुल्क में हलचल मच गई।

ii. कोर्ट बन गए और खेल शुरू हो गया।

iii. जिसके हृदय में दया हो और साथ-ही साथ आत्मबल भी।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया-पद छाँटों और उनका काल भी लिखो–

उत्तर–

	क्रिया	**काल**		**क्रिया**	**काल**
i.	है	वर्तमानकाल	ii.	थी	भूतकाल
iii.	मिलेगी	भविष्यत्काल	iv.	रहे थे	भूतकाल
v.	देता हूँ	वर्तमानकाल	vi.	हटेगा	भविष्यत्काल।

(ग) उदाहरणानुसार शब्द-निर्माण करो–

उत्तर– i. अन + **जान** = **अनजान** vi. अन + **जानी** = **अनजानी**

ii. अन + **बूझ** = **अनबूझ** vii. अन + **देखी** = **अनदेखी**

iii. अन + **कही = अनकही** viii. अन + **उपयुक्त = अनुपयुक्त**

iv. बे + **इज्जत = बेइज्जत** ix. बे + **इंतहा = बेइंतहा**

v. बे + **आबरू = बेआबरू** x. बे + **कसूर = बेकसूर**

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखो–

उत्तर– i. उन्होंने, वे ii. अपने, वे iii. इन

iv. वह v. उसकी, उस।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

19 जूलूस

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. श्याम लाल एक राजनैतिक नेता है।

ii. छात्र स्वयं करें।

iii. बुद्धु एक चतुर व्यक्ति प्रतीत होता है।

iv. श्याम लाल एक सामाजिक नेता होने का ढोंग करता है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iii. राजनेता 2. ii. चापलूसी

3. i. भूमि की समस्या 4. iii. औरत

5. ii. सात रुपया

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. चमन लाल की समस्या यह है कि उसने सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया था और सरकार उससे वह जमीन खाली करवाना चाहती थी।

ii. चमन लाल नेताजी से चाहता है कि नेताजी उसकी समस्या के लिए सत्याग्रह करवाएँ, धरने करवाएँ, हड़ताल की अपीलें करें तथा कड़ी कार्यवाई करें।

iii. श्याम लाल चमन लाल की समस्या का यह हल बताता है कि आपके केस को एक जुलूस और दो पब्लिक मीटिंगों से शुरू करना चाहिए। और इसके पीछे उसकी चाल पैसा कमाना है।

iv. जुलूस की रूपरेखा तैयार करने में बुद्धू अपनी भूमिका एक होशियार तथा चतुर जिम्मेदार व्यक्ति की तरह निभाता है।

v. श्याम लाल जुलूस से पहले दो पब्लिक मीटिंग करवाने की योजना बनाता है।

vi. 'आप जरा खर्चा सँभालिए और फिर देखो हमारी शोमैनशिप'—इस कथन से पता चलता है कि श्याम लाल निहायती लालची तथा धूर्त किस्म का व्यक्ति है।

श्यामलाल का चरित्र—श्यामलाल एक धूर्त तथा लालची किस्म का एएक राजनैतिक नेता है। वह पब्लिक के पैसे से अपने काम निकालता है। दंगे करवाना, जुलूस निकालना, धरने प्रदर्शन आदि करना ही उसका प्रमुख काम है।

vii. इस कहानी का उद्देश्य यह है कि धन द्वारा खरीदे गए नेता समस्याओं को हल

नहीं कर पाते हैं। वे केवल धरने, हड़तालें आदि करके अपनी जेबें भरते हैं अत: हमें ऐसे नेताओं से दूर ही रहना चाहिए।

(घ) किसने, किससे कहा?

उत्तर–

	किसने कहा	**किससे कहा**
i.	श्यामलाल ने,	चमन से
ii.	चमनलाल ने,	श्यामलाल से
iii.	बुद्धु ने,	श्यामलाल से
iv.	श्यामलाल ने,	चमनलाल ने
v.	चमनलाल ने,	श्यामलाल से
vi.	श्यामलाल ने,	चमनलाल से

कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) कर्मवाच्य में बदलो–

उत्तर– i. मैं लोगों के द्वारा इंतजाम करा दूँगा।
ii. फोटोग्राफर द्वारा फोटो खींचा जा सकता है।
iii. तुम्हारे द्वारा रुपयों का इंतजाम किया जाएगा।
iv. हमारे द्वारा जुलूस के आदमी किराए पर लिए जाते हैं।
v. तुम्हारे द्वारा काम कब शुरू किया जा रहा है।

(ख) वाक्य बहुवचन में बदलकर लिखो–

उत्तर– i. औरतों को छह रुपए देने पड़ते हैं।
ii. झंडे पकड़े हुए खूबसूरत लड़कियाँ।
ii. औरतों की गोद में बच्चे।
iv. गरीबों की कौन सुनता है।
v. नेता हमारी कठिनाइयों को समझ जाएँगे।

(ग) रेखांकित अंश में कारक बताओ–

उत्तर– i. कर्म कारक ii. कर्ता कारक iii. संप्रदान कारक
iv. अधिकरण कारक v. अधिकरण कारक।

(घ) करो–

उत्तर– बिजनिस, ग्रुप, गर्वमैंट, मीटिंग, एडवरटाइजमेंट, वॉलंटियर, इंचार्ज, पार्लियामेंट, ऑडियंस।

(ङ) वाक्य बनाओ–

उत्तर– i. **पब्लिक मीटिंग** — मेरे ख्याल से आपके केस को एक जुलूस और दो **पब्लिक मीटिंगों** से शुरू करना चाहिए।
ii. **प्रभाव** — मेरी बात का उस पर गहरा **प्रभाव** पड़ा।
गुरु जी की बातों का मुझ–पर ऐसा **प्रभाव** पड़ा कि मेरा जीवन ही बदल गया।
iii. **प्रभावशाली** — नेता जी का व्यक्तित्व **प्रभावशाली** था।
नेताजी ने ऐसा **प्रभावशाली** भाषण दिया कि सभी मंत्र मुग्ध हो गए।
iv. **फोटोग्राफर** — जलसे में एक **फोटोग्राफर** को भी बुलाया गया था।

नेताजी ने अपने साथ एक **फोटोग्राफर** भी रखा हुआ था।

v. **आडियंस** — मैदान में **ऑडियंस के** बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था थी। नेताजी ने कहा— **ऑडियंस** को मैं इकट्ठा कर दूँगा।

(च) निर्देशानुसार वाक्य बदलकर लिखो–

उत्तर– (क) क्या कल से आप हमारा काम शुरू कर रहे हैं?

(ख) हम सब इंतजाम खुद कर लेंगे लेकिन आपको खर्चा ज्यादा पड़ेगा।

(छ) तदभव शब्दों के तत्सम रूप लिखो–

उत्तर– मुँह = **मुख** दाँत = **दंत्य** आँख = **अक्षु**

पैर = **पद** कान = **कर्ण** बाँह = **बाहु**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

20 सूर-तुलसी के पद

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. 'काहु न कहयो कन्हैया' श्रीकृष्ण ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि जिस दिन से कृष्ण माता यशोदा से बिछड़े हैं किसी ने उन्हें कन्हैया कहकर नहीं पुकारा है।

ii. श्रीकृष्ण को राधा से यह डर है कि कही राधा उनके खिलौने चुराकर न ले जाए।

iii. माता बार-बार अपने गोविंद के मुख को देखकर प्रसन्न हैं। उनकी यह खुशी ममता तथा वात्सल्य से भरी हुई है।

iv. श्रीकृष्ण के कमल रूपी मुख को देखकर मन को जो आनन्द तथा प्रसन्नता मिली है वाणी उसे कहने में असमर्थ है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iii. शिकायत करने का 2. iii. कृष्ण के अद्‌भुत कार्य

3. i. प्रेम के वशीभूत होना

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. श्रीकृष्ण माँ यशोदा को यह संदेश देना चाहते हैं कि हे माँ तुम ठीक प्रकार से रहना। मैं और बलराम भईया चार पाँच दिन में आएँगे।

ii. कृष्ण माता से अपनी बाँसुरी तथा खिलौने सँभालने को कह रहे हैं।

iii. श्रीकृष्ण को मथुरा में रहना इसलिए खटक रहा है क्योंकि जिस दिन से वे मथुरा में आए हैं एक तो किसी ने उन्हें कन्हैया कहकर नहीं पुकारा है और दूसरे तब से उन्होंने न तो प्रात:काल का नाश्ता किया है और न ही शाम को गाय का दूध पीया है।

iv. श्रीकृष्ण नंदबाबा को यह सूचना दिलवाना चाहते हैं कि उन्होंने अपना हृदय इतना कठोर बना लिया है कि एक बार श्याम को मथुरा भेजकर फिर उनकी सुध नहीं ली है।

v. कवि श्रीकृष्ण के मनुष्य-रूप धारण करने का कारण बताते हुए कहते हैं कि प्रभु ने भक्तों के प्रेम के वशीभूत होकर ही मनुष्य रूप धारण किया है।

(घ) दिए गए अर्थों के लिए पदों की पंक्तियाँ छाँटकर लिखो–

उत्तर– i. देखत तब बदन-कमल मन आनंद होई। कहै कौन रसना मौन जानै कोई-कोई।

ii. कहियो जाय नंदबाबा सो निपट-निठुर जिय कीन्हो। सूर-स्याम पहुँचाय मधुपुरी बहुरि संदेश न लीन्हो।

कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखों–

उत्तर– i. रसना **जीभ, जिह्वा**

ii. इच्छा **चाहना, जिज्ञासा**

iii. आनंद **प्रसन्नता, खुशी**

iv. बंसी **बाँसुरी, मुरली**

v. मौन **चुप, शांत**

(ख) अनेकार्थी शब्दों के अर्थ लिखकर इस प्रकार वाक्य बनाओ जिससे अर्थ स्पष्ट हो जाएँ–

उत्तर– i. घन **(हथौड़ा, बादल, घना)**

घन-हथौड़ा— वह गरम लोहे पर घन से लगातार चोट मार रहा था।

घन-बादल— एक घना बादल बरसकर सबको भिगोकर चला गया।

घन-घना— सौनपुर गाँव के पास एक घना जंगल था।

ii. बदन **(शरीर, मुख)**

बदन-शरीर— बुखार से मीना का बदन भट्टी की तरह तप रहा था।

बदन-मुख— देखत तब बदन-कमल मन आनंद हो होई।

iii. और **(तथा, ज्यादा)**

और-तथा— आज मैं और दीपेश फिल्म देखने जाएँगें।

और-ज्यादा— आज खाना इतना स्वादिष्ट बना था कि पेट भरने के बाद भी मैने और ले लिया फलस्वरूप मुझे अपच हो गया।

iv. अंबर **(वस्त्र, आकाश)**

अंबर-वस्त्र— श्रीकृष्ण का अंबर पीत वर्ण का है।

अंबर-आकाश— काली-काली घटाएँ अंबर पर छा गई थी।

v. तनु **(शरीर)**

तनु-शरीर— ज्यादा दिन बीमार रहने के कारण सोनाली तनु से कृशकाय हो गई थी।

vi. जड़ **(स्थिर, गहराई)**

जड़-गहराई— पीपल के पेड़ की जड़ें धरती में गहराई तक जमी हुई होती हैं।

(ग) इन शब्दों के हिंदी में प्रयुक्त मानक रूप लिखो–

उत्तर– चार, आएँगे, चिह्न, कभी, जिस दिन, तुमसे, किसी, कहा, सँभालना, निष्ठुर, किया, लेना, कहना, श्याम, उछलना, निरखना, तोतली, बहुत सारा, देखना, तुम्हें, मुझे, मेरे, तेरे।

(घ) शब्दों में अनुस्वार और अनुनासिक लगाओ–

उत्तर– i. कबहु **कबहुँ-अनुनासिक**

ii. सदेश **संदेश**

iii. पाच **पाँच**

v. गोविद **गोंविद**

vi. आनद **आनंद**

vii. मोहि **मोहिं**

iv. पहुचाय **पहुँचाय** viii. सुदर **सुंदर**

पढ़ो— तुलसीदास के पद से अनुप्रास के दो उदाहरण चुनें।

उत्तर– कोई-कोई, बाल केलि लीला।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

21 जामुन का पेड़

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. जामुन का पेड़ सेक्रेटेरियट के लॉन में तेज आँधी द्वारा गिरा।

ii. कोई पेड़ के नीचे दबे हुए आदमी की मदद इसलिए नहीं कर रहा था क्योंकि किसी के पास उसकी मदद करने की अनुमति नहीं थी।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. ये जानकर कि दबा हुआ आदमी शायर है, सेक्रेटेरियट के लॉन में भीड़ इसलिए लग गई ताकि वे उनकी रचनाओं का आनंद ले सके।

ii. साहित्य अकादमी के सेक्रेटरी ने शायर के साथ औपचारिक व्यवहार किया।

iii. कवि के जीवन के विषय में यह फैसला हुआ कि प्रधानमंत्री के आने के पश्चात् ही पेड़ को काटने और उसकी जान बचाने के विषय में कोई निर्णय लिया जाएगा।

iv. दूसरे दिन जब फारेस्ट डिपार्टमेंट के आदमी आरी-कुल्हाड़ी लेकर पेड़ काटने पहुँचे तो उन्हें रोक दिया गया। मालूम हुआ कि विदेश से हुक्म आया था कि पेड़ को न काटा जाए। अंडर सेक्रेडरी ने सुपरिटेंडेंट को बताया—''आज सवेरे प्रधानमंत्री दौरे से वापस आ गए हैं। आज चार बजे विदेश-विभाग इस पेड़ की फाइल उनके सामने पेश करेगा। जो वे फैसला देंगे, वही सबको स्वीकार होगा।''

(ग) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iii. जामुन का 2. i. एक शायर

3. ii. प्लास्टिक 4. iii. ओस

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखो–

उत्तर– ''मगर ..... रही थी।''

भावार्थ—उपर्युक्त पंक्तियों में यह बताया गया है कि पेड़ के नीचे दबे हुए कवि की जब तक फाइल पूरी होती और उसको पेड़ के नीचे से निकाला जाता तब तक कवि की जीवन रूपी फाइल पूरी हो गई थी अर्थात् कवि परलोक सिधार चुका था।

कुछ अलग नया–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्द किस भाषा के हैं? लिखो–

उत्तर– i. गुमनुमा = **फारसी** v. सुपरिटेंडेंट = **अंग्रेजी**

ii. फौरन = **फारसी** vi. पाँत = **हिंदी**

iii. रद्द = **फारसी** vii. स्कीम = **अंग्रेजी**

iv. एक्शन = **अंग्रेजी** vii. गुस्सा = **उर्दू**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थी शब्द लिखो–

उत्तर– i. पत्ता = **पत्र** **पेड़ का पत्ता**

ii. तना = **पेड़ का तना** **सीधा खड़ा हुआ**

iii. फल = **खाने वाला फल** **परिणाम** **चाकू की धार**

(ग) विभाग शब्द में 'वि' उपसर्ग है 'वि' उपसर्ग लगाकर तीन शब्द बनाओ–

उत्तर– विश्राम विक्रांत विराग

(घ) 'फलदार' शब्द में 'दार' प्रत्यय है। 'दार' प्रत्यय लगाकर तीन शब्द बनाओ–

उत्तर– चमकदार महकदार लचकदार

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर लिखो–

उत्तर– i. मैं एक पेड़ के नीचे दबा था। ii. आदमी का स्वास्थ्य जवाब दे रहा है।

iii. उसके जीवन की फाइल पूर्ण होगी।

(च) निम्नलिखित वाक्यों में उचित पूरक शब्द लगाकर वाक्य पूरे करो–

उत्तर– i. वह एक समझदार क्लर्क है।

ii. इस भीड़ में प्रधान पात्र एक कवि है।

iii. मैं तो आपको समझदार समझता था।

iv. यह डॉक्टर जान पड़ता है।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

22 मेरे लड़के को सिखाएँ ...

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. अब्राहम लिंकन अमेरिका के राट्रपति थे।

ii. सभी व्यक्ति न्यायप्रिय नहीं होते और न ही सब सच बोलते हैं।
उसे हारना सिखाएँ और जीत में खुश होना भी सिखाएँ।
स्कूल में उसे सिखाएँ कि नकल करके पास होने से तो फेल होना बेहतर है।

iii. यह पत्र उन्होंने अपने बेटे के शिक्षक को लिखा क्योंकि वो चाहते थे कि शिक्षक उनके बेटे को वे सारी अच्छी बातें सिखाए जिनको सीखकर उनका बेटा एक सर्वगुण सम्पन्न इंसान बन सके।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. अब्राहम लिंकन 2. i. न्यायप्रिय 3. iii. चाटुकार

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– i. नहीं सभी व्यक्ति सत्यवादी तथा न्यायप्रिय नहीं होते।

ii. अब्राहम लिंकन ने अपने बेटे को राग-द्वेष से दूर रखने की बात इसलिए कही क्योंकि ईर्ष्यालु व्यक्ति दूसरे से ईर्ष्या करने के साथ-साथ अपना भी नुकसान करता है।

iii. किताबों की दुनिया में ले जाने की बात के पीछे लिंकन का उद्देश्य है कि एक तो पुस्तकों को पढ़ने से मनुष्य के ज्ञान में वृद्धि होती है। तथा दूसरे किताबें पढ़ने से मनुष्य को संतुष्टि भी मिलती है।

iv. लेखक ने 'दुख में भी हँसने की सीख देने' की बात इसलिए कही है ताकि वह दुखों को भी हँसकर झेल सके।

v. सबसे अंत में उन्होंने कहा है कि उसे हमेशा ऐसी सीख दें कि मानव जाति पर उसकी असीम श्रद्धा बनी रहे।

(घ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– i. सभी व्यक्ति **न्यायप्रिय** नहीं होते।

ii. उसे **हारना** सिखाएँ और **जीत** में खुश होना भी सिखाएँ।

iii. उसे अपनी **मुसीबतों** को हँसकर टालना सिखाएँ।

iv. परंतु बहुत **लाड़-प्यार** में उसे बिगाड़े नहीं।

v. मैंने अपने **पत्र** में बहुत कुछ लिखा है।

(ङ) सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– i. ✗ ii. ✓ iii. ✓ iv. ✗ v. ✓।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखो–

उत्तर– i. दूरदर्शी ii. अल्पज्ञ iii. मिष्ट भाषी

iv. प्रशंसनीय v. सदाचरणी vi. सुलभ

vii. बहुभाषी।

(ख) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखो–

उत्तर– i. सत्यता = **सच्चाई** ii. प्रबल = **मजबूत**

iii. ईमानदार = **सच्चा इंसान** iv. कुविचार = **बुरे विचार**

v. मूल्यवान = **कीमती** vi. विमल = **स्वच्छ**

vii. सामाजिक = **समाज के अनुसार**

viii. पशुत्व = **पशुओं के समान**

(ग) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. न्यायप्रिय = सभी मनुष्य **न्यायप्रिय** नहीं होते हैं।

ii. स्वार्थी = हमें **स्वार्थी** नहीं होना चाहिए।

iii. देशप्रेमी = एक अच्छे व्यक्ति के अंदर **देशप्रेम** की भावनाएँ भी होनी चाहिए।

iv. विश्वास = मुझे पूरा **विश्वास** है कि तुम अवश्य आओगे।

v. ईमान = व्यक्ति को कभी भी अपना **ईमान** नहीं खोना चाहिए।

vi. श्रद्धा = **श्रद्धा** भाव से की गई भक्ति ही सच्ची भक्ति होती है।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया-शब्द छाँटकर लिखो–

उत्तर– i. बोलते हैं ii. होते हैं iii. सिखाए

iv. कमाई करे v. है।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।